

OPEN MOCK-II/GENERAL STUDIES-I SOLUTION

Q 1. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- 25वां SCO शिखर सम्मेलन 31 अगस्त से 1 सितंबर, 2025 के बीच चीन के तियानजिन में आयोजित किया गया था। शिखर सम्मेलन के दौरान, सदस्य देशों ने तियानजिन घोषणापत्र को अपनाया, जिसमें भविष्य की सहयोग रणनीतियों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। भारत ने संगठन के भीतर अपने रणनीतिक हितों को दर्शाते हुए सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर विशेष जोर दिया।

Q 2. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारतीय नौसेना के युद्धपोतों INS तमाल और INS सूरत ने 30 अगस्त, 2025 को सऊदी अरब के जेद्दा में अपना बंदरगाह प्रवास पूरा किया। इन जहाजों ने RSNF कावेंट HMS जाज़ान के साथ एक पैसेज अभ्यास में भाग लिया और उसके बाद अपनी नियोजित तैनाती जारी रखी।
- इस दौरान, जहाजों ने रॉयल सऊदी नौसेना बल और सऊदी सीमा रक्षक बल के साथ खेल गतिविधियों और कार्मिकों के साथ बातचीत के माध्यम से व्यापक रूप से भाग लिया। इन जहाजों ने 28 अगस्त, 2025 को सऊदी अरब में भारत के राजदूत, महामहिम डॉ. सुहेल एजाज खान की भी मेजबानी की।

Q 3. उत्तर: (d)

व्याख्या:

- वर्ष 2023 के लिए 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा संबंधित निर्णायक मंडल द्वारा की गई। इस वर्ष, पुरस्कारों के लिए फीचर फिल्म श्रेणी में 332, गैर-फीचर फिल्मों में 115, 27 पुस्तकें और 16 समीक्षकों की प्रस्तुतियाँ प्राप्त हुईं।
- 12वीं फेल को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया है।
- फ्लावरिंग मैन को सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला, जबकि गॉड वल्चर एंड ह्यूमन को सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र का पुरस्कार मिला।
- शाहरुख खान (जवान) और विक्रान्त मैसी (12वीं फेल) को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार दिया गया है। शाहरुख खान के करियर का यह पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार है।
- रानी मुखर्जी को मिसेज़ चटर्जी वर्सेस नॉर्वे में उनके दमदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। यह उनका पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी है।
- अनुभवी अभिनेता विजयरघवन और मुथुपेट्टई सोमू भास्कर को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार दिया गया।
- फीचर फिल्म वर्ग में सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का पुरस्कार सुदीप्तो सेन को द केरला स्टोरी (हिंदी) के लिए दिया गया।
- AVGC (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक) में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार 'हनु-मैन' को दिया गया।
- राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ

फीचर फिल्म का पुरस्कार 'सैम बहादुर' (हिंदी) को दिया गया।

- संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का पुरस्कार 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' (हिंदी) को दिया गया।

Q 4. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- संयुक्त राष्ट्र ने दुनिया भर में स्वदेशी समुदायों के अधिकारों, संस्कृतियों और योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 9 अगस्त को विश्व के स्वदेशी लोगों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में घोषित किया।

Q 5. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- टोल प्लाजा कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, NHAI ने वर्टिस इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट के साथ मिलकर 'प्रोजेक्ट आरोहण' की शुरुआत की घोषणा की। इस कार्यक्रम का शुभारंभ NHAI के अध्यक्ष, कार्यकारी निदेशक और संयुक्त CEO, वर्टिस इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट और NHAI के वरिष्ठ अधिकारियों ने नई दिल्ली स्थित NHAI मुख्यालय में किया। इस पहल का उद्देश्य वित्तीय बाधाओं को दूर करना, सामाजिक-आर्थिक विभेदों को पाटना और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों, जिनमें निम्न-आय वाले परिवारों की लड़कियाँ, पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र शामिल हैं, के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुँच प्रदान करना है।

Q 6. उत्तर: (d)

व्याख्या:

- संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) ने 50 वर्षों में लवण प्रभावित मृदाओं का अपना पहला प्रमुख वैश्विक मूल्यांकन जारी किया है।
- रिपोर्ट से पता चलता है कि लगभग 1.4 बिलियन हेक्टेयर भूमि (कुल वैश्विक भूमि क्षेत्र का लगभग 10 प्रतिशत) पहले से ही लवणता से प्रभावित है, तथा जलवायु संकट और मानवीय कुप्रबंधन के कारण एक बिलियन हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि खतरे में है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय मृदा एवं जल फोरम 2024 के दौरान बैकॉक में प्रस्तुत किया गया था।
- रिपोर्ट के अनुसार, "अत्यधिक लवणता मिट्टी की उर्वरता को कम करती है और पर्यावरणीय स्थिरता को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित देशों में, लवणता के दबाव से चावल या फलियों जैसी फसलों की उपज में 70 प्रतिशत तक की हानि हो सकती है।"

Q 7. उत्तर: (a)

व्याख्या:

सही सुमेलित सूची इस प्रकार है:

- 2024 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (UNFCCC COP 29) नवंबर 2024 में बाकू, अज़रबैजान में आयोजित किया गया।
 - ✓ इस कार्यक्रम में पक्षकारों के सम्मेलन का 29वां सत्र (COP 29), क्योटो प्रोटोकॉल के पक्षकारों की बैठक के रूप में कार्य करने वाली COP की 19वीं बैठक (CMP 19), तथा पेरिस समझौते के पक्षकारों की बैठक (CMA 6) के रूप में कार्य करने वाली COP की छठी बैठक शामिल थी।
- 2024 संयुक्त राष्ट्र अंतरिक्ष कानून एवं नीति सम्मेलन ऑस्ट्रिया के वियना अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित किया गया। इसका आयोजन संयुक्त राष्ट्र बाह्य अंतरिक्ष मामलों के कार्यालय (UNOOSA) द्वारा किया गया था।
- विश्व समुद्री प्रौद्योगिकी सम्मेलन (WMTIC), विश्व समुद्री प्रौद्योगिकी कांग्रेस के तत्वावधान में एक त्रैवार्षिक वैश्विक आयोजन, 4 से 6 दिसंबर तक चेन्नई में आयोजित किया गया। यह 15 वर्षों के अंतराल के बाद भारत में इस सम्मेलन की वापसी का प्रतीक है, जिसका पिछला संस्करण मुंबई में आयोजित किया गया था।
- 14वां एशिया-ओशिनिया मौसम विज्ञान उपग्रह उपयोगकर्ता सम्मेलन (AOMSUC-14) 4-6 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली, भारत में आयोजित किया गया।
 - ✓ यह सम्मेलन भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है, और इसमें उच्च गुणवत्ता वाले मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ, पैनल चर्चाएँ और मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान अनुप्रयोगों के लिए वर्तमान उपग्रह डेटा को लागू करने पर केंद्रित एक प्रशिक्षण कार्यशाला शामिल होगी।

Q 8. उत्तर: (c)

व्याख्या:

2025 बाफ्टा फिल्म पुरस्कारों में, 'द ब्रूटलिस्ट' ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता और यह पुरस्कार ब्रैडी कॉर्बेट को मिला।

अन्य पुरस्कार 2025 बाफ्टा फिल्म पुरस्कार:

- | | |
|-------------------------------|---------------------------------------|
| ● सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार | कॉन्क्लेव |
| ● सर्वश्रेष्ठ मुख्य अभिनेता | एड्रियन ब्रॉडी, 'द ब्रूटलिस्ट' के लिए |
| ● सर्वश्रेष्ठ मुख्य अभिनेत्री | मिकी मैडिसन ('एनोरा' के लिए) |
| ● सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड फिल्म | वालेस एंड ग्रोमिट: वेंजेंस मोस्ट फाउल |

Q 9. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- महाकुंभ मेला 2025 के एक भाग के रूप में प्रयागराज में 16 से 18 फ़रवरी, 2025 तक – 'अंतर्राष्ट्रीय पक्षी महोत्सव' का आयोजन किया गया। इस तीन दिवसीय आयोजन के दौरान, आगंतुकों ने प्रवासी और स्थानीय दोनों प्रकार के 200 से अधिक प्रजातियों

के पक्षी देखे। खास बात यह है कि साइबेरिया, मंगोलिया और अफ़ग़ानिस्तान सहित 10 से ज़्यादा देशों से हज़ारों प्रवासी पक्षी मौजूद थे।

Q 10. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो 2024 का दूसरा संस्करण गौतम बुद्ध नगर में आयोजित किया गया, जो एक प्रमुख जिला है जिसमें नोएडा और ग्रेटर नोएडा शामिल हैं।
- उत्तर प्रदेश वर्ष 2027 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करना चाहता है।

Q 11. उत्तर: (d)

व्याख्या:

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में सबसे ज़्यादा वृद्धि रेपसीड में देखी गई, जिसमें उत्पादन की भारित औसत लागत की तुलना में 98% की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। तुलना:

- मसूर (मसूर) ↑ 89%
- बाजरा (पर्ल मिलेट) ↑ 77%
- अरहर (तुअर) ↑ 59%

Q 12. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- आइसलैंड में ओकजोकुल ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण आधिकारिक तौर पर मृत घोषित किया गया पहला ग्लेशियर था, जो ग्लोबल वार्मिंग के कारण बर्फ के तेजी से पीछे हटने का प्रतीक था।

Q 13. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- 13वीं राष्ट्रीय बीज कांग्रेस का आयोजन 28-30 नवंबर, 2024 को वाराणसी, उत्तर प्रदेश में किया गया।
- कांग्रेस का विषय था “बीज क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग, साझेदारी और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना”, जिसे कभी-कभी “एक स्थायी बीज पारिस्थितिकी तंत्र के लिए नवाचार” के रूप में भी संक्षेपित किया जाता है, लेकिन सैन्य संबंधों पर केंद्रित नहीं था।

Q 14. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- कथन 1 सही है - भारत 2026 में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल देशों के संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (CSPOC) की मेजबानी करने के लिए तैयार है।
- कथन 2 गलत है — यह पहली बार नहीं होगा जब भारत इस सम्मेलन की मेजबानी करेगा। भारत इससे पहले तीन बार CSPOC की मेजबानी कर चुका है: 1970-71, 1986 और 2010 में।

Q 15. उत्तर: (b)**व्याख्या:**

- भार्गवस्त्र का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड द्वारा विकसित यह प्रणाली एक मोबाइल प्लेटफॉर्म पर तेज़ी से तैनात हो सकती है और 2.5 किलोमीटर से भी ज़्यादा दूरी तक के लक्ष्यों को भेद सकती है। यह बड़े पैमाने पर ड्रोन हमलों से निपटने के लिए एक अनूठा, कम लागत वाला विकल्प है, जो एक लगातार खतरा बन गया है।

Q 16. उत्तर: (b)**व्याख्या:**

- 20 फरवरी, 2025 को राज्य के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना द्वारा प्रस्तुत उत्तर प्रदेश बजट 2025-26 का कुल परिव्यय ₹8,08,736 करोड़ है। यह 2024-25 के ₹7,36,437 करोड़ के बजट से 9.8% की वृद्धि दर्शाता है। इसमें शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य सेवा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर विशेष जोर दिया गया है।

Q 17. उत्तर: (d)**व्याख्या:**

- 2024 के वैश्विक भूखमरी सूचकांक (GHI) में, भारत उन 127 देशों में 105वें स्थान पर है जिनके पास 2024 के GHI स्कोर की गणना के लिए पर्याप्त आँकड़े हैं। 27.3 के स्कोर के साथ, भारत में भूख का स्तर गंभीर है।
- वैश्विक भूखमरी सूचकांक, कंसर्न वर्ल्डवाइड और वेल्थहंगरहिल्फ़ द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित एक समकक्ष-समीक्षित वार्षिक रिपोर्ट है, जिसे वैश्विक, क्षेत्रीय और देश स्तर पर भूख को व्यापक रूप से मापने और ट्रैक करने के लिए तैयार किया गया है। यह देश प्रोफ़ाइल 2024 ग्लोबल हंगर इंडेक्स के डेटा और जानकारी पर आधारित है।

Q 18. उत्तर: (b)**व्याख्या:**

- रूस के साथ लाइसेंस समझौते के तहत निर्मित भारत के पहले उन्नत टी-90 'भीष्म' टैंक, तमिलनाडु के चेन्नई के पास आवडी स्थित भारी वाहन कारखाने (HVF) में निर्मित किए गए थे। इन उन्नत टैंकों का प्रारंभिक बैच—जिसे T-90Mk-III या भीष्म Mk-III नाम दिया गया है—2024 की शुरुआत में HVF आवडी से तैयार किया गया था।

Q 19. उत्तर: (c)**व्याख्या:**

- फेरारी के चार्ल्स लेक्लर (मोनाको) ने 20 अक्टूबर 2024 को ऑस्टिन, टेक्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) में सर्किट ऑफ़ द अमेरिकास में आयोजित फॉर्मूला 1 (F 1) यूनाइटेड स्टेट्स (US) ग्रैंड प्रिक्स (GP) 2024 में खिताब जीता।

Q 20. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

बजट 2025-26 में विकास इंजन:

- विकास के प्रथम इंजन के रूप में कृषि
- विकास के दूसरे इंजन के रूप में MSME
- विकास के तीसरे इंजन के रूप में निवेश
- विकास के चौथे इंजन के रूप में निर्यात

Q 21. उत्तर: (d)**व्याख्या:**

- ऐसी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है जो यह बताए कि CMYUVY योजना ने युवाओं को कृषि के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए विशेष रूप से 500 से ज़्यादा व्यावसायिक मॉडल विकसित किए हैं। यह योजना मुख्य रूप से उद्योग और सेवा क्षेत्रों सहित विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है, लेकिन इसमें कृषि या इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में व्यावसायिक मॉडल के विकास का विशेष रूप से उल्लेख नहीं है।
- CMYUVY योजना के तहत, उत्तर प्रदेश सरकार पात्र युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए ₹5 लाख तक का ब्याज-मुक्त ऋण प्रदान करती है। हालाँकि, यह योजना विनिर्माण और सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है, और यह केवल कृषि क्षेत्र तक सीमित नहीं है।

Q 22. उत्तर: (b)**व्याख्या:**

- कर्मा फुंटशो, जिन्होंने भूटान के अतीत की समृद्धि को उसके वर्तमान की विविध परिस्थितियों और संभावनाओं के साथ सामंजस्य स्थापित करने और युवा भूटानियों को अपनी विरासत पर गर्व करने और अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त होने के लिए प्रेरित करने में अपने योगदान के लिए 2024 में 66वां रेमन मैग्सेसे पुरस्कार जीता।

Q 23. उत्तर: (d)**व्याख्या:**

- यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) ने 29 अप्रैल, 2025 को गुयाना स्थित यूरोप के अंतरिक्ष केंद्र से 75 डिग्री उत्तर और 56 डिग्री दक्षिण के बीच वन का मानचित्रण करने के लिए अपना बायोमास मिशन लॉन्च किया है।

Q 24. उत्तर: (b)**व्याख्या:**

- राजा रणधीर सिंह एशियाई ओलंपिक परिषद का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं और 2024-28 के कार्यकाल के लिए इसके अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। उनका निर्विरोध चुना जाना उनके नेतृत्व और एशियाई खेलों को आगे बढ़ाने के उनके दृष्टिकोण के लिए व्यापक समर्थन का प्रतीक है। इस उपलब्धि के साथ, भारत वैश्विक खेल प्रशासन परिदृश्य में अपना प्रभाव मज़बूत करेगा।

Q 25. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- NAVYA (नरचरिंग एस्पिरेशन थ्रू वोकेशनल ट्रेनिंग फॉर यंग एडोलसेंट गर्ल्स) परियोजना, जिसका उद्देश्य किशोरियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देना है, 24 जून, 2025 को उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में शुरू की गई थी। यह केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MWCD) और केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) के बीच एक सहयोगात्मक पहल है। इस परियोजना में शिक्षा मंत्रालय की भागीदारी का कोई उल्लेख नहीं है। यह कार्यक्रम 16-18 वर्ष की आयु की लड़कियों को अल्पकालिक व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से सशक्त बनाने पर केंद्रित है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और अपना व्यवसाय शुरू कर सकें। प्रशिक्षण में उभरते और गैर-पारंपरिक क्षेत्र शामिल हैं, जिन्हें पीएमकेवीवाई और पीएम विश्वकर्मा योजना जैसी मौजूदा योजनाओं का समर्थन प्राप्त है।

Q 26. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- भारत ने कुल 588 पदक प्राप्त किए, जिनमें 280 स्वर्ण पदक शामिल हैं, और पदक तालिका में संयुक्त राज्य अमेरिका (प्रथम) और ब्राजील (द्वितीय) के बाद तीसरे स्थान पर रहा।

Q 27. उत्तर: (d)

व्याख्या:

- H3N2 इन्फ्लूएंजा ए वायरस का एक उपप्रकार है।
- यह पहली बार 1968 में मनुष्यों में फैला, जिसके कारण “हांगकांग फ्लू” महामारी फैली।
- अन्य इन्फ्लूएंजा वायरसों की तरह, H3N2 में भी तीव्र आनुवंशिक और प्रतिजनी परिवर्तन (प्रतिजनी बहाव और बदलाव) होता है, जिससे इसे मेज़बान प्रतिरक्षा प्रणाली से बचने में मदद मिलती है।
- इसलिए, यह कथन कि “इसका उत्परिवर्तन धीमा है” गलत है, क्योंकि इन्फ्लूएंजा वायरस अपनी तीव्र उत्परिवर्तन दर के लिए जाने जाते हैं।

Q 28. उत्तर: (d)

व्याख्या:

- 9वां वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन 2025:
 - ✓ विदेश मंत्रालय और कार्नेगी इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 9वां वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन (GST) 2025, 10-12 अप्रैल को नई दिल्ली में “संभावना” विषय के साथ आयोजित किया जाएगा।
 - ✓ शिखर सम्मेलन में इस बात पर चर्चा की जाएगी कि कैसे उभरती प्रौद्योगिकियां समावेशी विकास, डिजिटल शासन और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दे सकती हैं, जिसमें 40 से अधिक देशों के 150 से अधिक वक्ता भाग लेंगे।

- दिनांक 23-31 जुलाई, 2025 को विक्टोरिया फॉल्स, ज़िम्बाब्वे में आयोजित रामसर COP15, आर्द्रभूमि पर रामसर कन्वेंशन के अनुबंधकारी पक्षों के सम्मेलन की 15वीं बैठक थी।

✓ थीम: “हमारे साझा भविष्य के लिए आर्द्रभूमि का संरक्षण”।

- छठा बिस्मटेक शिखर सम्मेलन:

✓ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 अप्रैल, 2025 को छठे बिस्मटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर थाईलैंड पहुंचे, जिसका उद्देश्य बिस्मटेक देशों के बीच व्यापार, संपर्क और आर्थिक सहयोग को बढ़ाना है।

✓ शिखर सम्मेलन बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के विकास पर केंद्रित होगा, जिसमें थाईलैंड, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार और भूटान के नेता शामिल होंगे।

✓ विषय: “समृद्ध, लचीला और खुला बिस्मटेक”

- 11वीं ब्रिक्स श्रम एवं रोजगार मंत्रियों की बैठक

✓ श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री ने 25 अप्रैल 2025 को ब्रासीलिया में ब्रिक्स श्रम एवं रोजगार मंत्रियों की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

✓ विषय: AI और कार्य का भविष्य।

Q 29. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- अभ्यास INIOCHOS-25: भारतीय वायु सेना ने 31 मार्च से 11 अप्रैल, 2025 तक ग्रीस में बहुराष्ट्रीय वायु अभ्यास INIOCHOS-25 में भाग लिया। एन्ड्रविडा एयर बेस पर हेलेनिक वायु सेना द्वारा आयोजित, IAF ने 15 देशों के साथ Su-30 MKI लड़ाकू विमानों, IL-78 रिफ्यूएलर और C-17 विमानों को तैनात किया, जो संयुक्त वायु संचालन, अंतर-संचालन और सामरिक विशेषज्ञता पर केंद्रित था।

- अभ्यास टाइगर ट्रायम्फ 2025: भारत-अमेरिका त्रि-सेवा HADR अभ्यास का चौथा संस्करण 1 से 11 अप्रैल, 2025 तक भारत के पूर्वी तट पर आयोजित किया गया। इसमें विशाखापत्तनम में एक बंदरगाह चरण और काकीनाडा के तट पर एक समुद्री चरण शामिल था, जिसमें SOP विकास, एक संयुक्त समन्वय केंद्र और संयुक्त मानवीय, जल-थल और चिकित्सा अभियानों पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

- अभ्यास इंद्र 2025: 28 मार्च से 2 अप्रैल, 2025 तक आयोजित, इंद्र 2025 14वां भारत-रूस नौसैनिक अभ्यास था। इसका उद्देश्य नौसेना की अंतर-संचालन क्षमता को मज़बूत करना, समन्वित युद्धाभ्यास करना और जटिल युद्ध अभ्यासों के माध्यम से समुद्री सुरक्षा खतरों का समाधान करना था।

- अभ्यास इस्टलिक-VI: भारत-उज्बेकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास का छठा संस्करण 16 अप्रैल, 2025 को पुणे के औंध में शुरू हुआ और 28 अप्रैल तक चलेगा। यह दोनों सेनाओं के बीच द्विपक्षीय सैन्य सहयोग, सामरिक समन्वय और अंतर-संचालन को बढ़ाने पर केंद्रित है।

Q 30. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

समिति	अनुशंसा
बलवंत राय मेहता समिति	जिला परिषद, पंचायत समिति और ग्राम पंचायत का निर्माण
अशोक मेहता समिति	जिला परिषद और मंडल पंचायत का निर्माण
जीवीके राव समिति	जिला विकास आयुक्त के पद का सृजन
एलएम सिंघवी समिति	पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा

Q 31. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

- अभिकथन (A) सत्य है: भारतीय संविधान के भाग III में निहित मौलिक अधिकार, व्यक्तियों के लिए सम्मान, स्वतंत्रता और समानता सुनिश्चित करते हैं। ये नागरिकों को भेदभाव से बचाते हैं, व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं और सामाजिक-आर्थिक न्याय को बढ़ावा देते हैं, जो सभी व्यक्तिगत और राष्ट्रीय विकास में योगदान करते हैं।
 - कारण (R) भी सत्य है: भारतीय संविधान सभी नागरिकों को मौलिक अधिकारों की गारंटी देता है, जिससे वे अनुच्छेद 32 और अनुच्छेद 226 के तहत अदालतों द्वारा न्यायोचित और लागू किए जा सकते हैं। यदि किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन होता है, तो व्यक्ति कानूनी उपाय अपना सकता है।
 - कारण (R) ने सही से समझाया है कि मौलिक अधिकारों की न्यायसंगतता और प्रवर्तनीयता, सम्मान और विकास सुनिश्चित करने में उनकी प्रभावशीलता सुनिश्चित करती है।
- इस प्रकार, सही उत्तर है (a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है

Q 32. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

- अनुच्छेद 3 संसद को यह अधिकार देता है कि वह: (क) किसी राज्य से भू-भाग अलग करके या दो या दो से अधिक राज्यों या राज्यों के भागों को मिलाकर या किसी भू-भाग को किसी राज्य के किसी भाग में मिलाकर एक नया राज्य बनाए; (ख) किसी राज्य का क्षेत्रफल बढ़ाए; (ग) किसी राज्य का क्षेत्रफल घटाए; (घ) किसी राज्य की सीमाओं में परिवर्तन करे; और (ङ) किसी राज्य का नाम बदले। हालाँकि, अनुच्छेद 3 इस संबंध में दो शर्तें रखता है: एक, उपरोक्त परिवर्तनों पर विचार करने वाला विधेयक संसद में केवल राष्ट्रपति की पूर्व अनुशंसा से ही प्रस्तुत किया जा सकता है; और दो, विधेयक की अनुशंसा करने से पहले, राष्ट्रपति को उसे संबंधित राज्य विधानमंडल को एक निश्चित अवधि के भीतर अपने विचार व्यक्त करने के लिए भेजना होगा।

Q 33. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

- कथन 1 सही है: जब 1950 में भारत का संविधान मूल रूप से अपनाया गया था, तब आधिकारिक हिंदी पाठ का कोई प्रावधान नहीं

था। संविधान का आधिकारिक पाठ अंग्रेजी में था, और आधिकारिक हिंदी संस्करण की आवश्यकता बाद में महसूस की गई।

- कथन 2 सही है: 58वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1987 द्वारा संविधान में अनुच्छेद 394-A जोड़ा गया। इस अनुच्छेद ने भारत के राष्ट्रपति को संविधान का आधिकारिक हिंदी पाठ और उसके बाद उसमें किए गए किसी भी संशोधन को प्रकाशित करने का अधिकार दिया।

Q 34. उत्तर: (b)**व्याख्या:**

- 13 दिसंबर, 1946 को जवाहरलाल नेहरू ने विधानसभा में ऐतिहासिक 'उद्देश्य प्रस्ताव' पेश किया। इसमें संवैधानिक ढांचे के मूल सिद्धांतों और दर्शन को निर्धारित किया गया था।
- यह प्रस्ताव 22 जनवरी, 1947 को सभा द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया।
- संविधान सभा ने 22 जुलाई, 1947 को राष्ट्रीय ध्वज को अपनाया।
- संविधान सभा ने मई 1949 में राष्ट्रमंडल में भारत की सदस्यता की पुष्टि की।
- संविधान सभा ने 24 जनवरी, 1950 को राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत को अपनाया।

Q 35. उत्तर: (b)**व्याख्या:**

- 1976 के 42वें संविधान संशोधन अधिनियम को इसके द्वारा लाए गए व्यापक परिवर्तनों के कारण अक्सर "लघु-संविधान" कहा जाता है। इसकी प्रमुख विशेषताओं में भाग IV-A (अनुच्छेद 51A) के अंतर्गत मौलिक कर्तव्यों को जोड़ना शामिल था, जिससे नागरिकों के लिए कुछ कर्तव्यों का पालन करना अनिवार्य हो गया। हालाँकि, इस संशोधन द्वारा संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाया नहीं गया था; यह परिवर्तन बाद में 1978 के 44वें संशोधन अधिनियम द्वारा लाया गया, जिसने इसे अनुच्छेद 300A के तहत एक माल कानूनी अधिकार में परिवर्तित कर दिया। इसी प्रकार, यह आवश्यकता कि राष्ट्रपति केवल मंत्रिमंडल की लिखित सिफारिश पर ही राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर सकते हैं, भी 44वें संशोधन द्वारा शुरू की गई थी, न कि 42वें संशोधन द्वारा। अतः, दिए गए तीन कथनों में से केवल दूसरा कथन ही सही है।

Q 36. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

पिट्स इंडिया एक्ट 1784:

- इसने कंपनी के वाणिज्यिक और राजनीतिक कार्यों के बीच अंतर किया।
- इसने निदेशक मंडल को वाणिज्यिक मामलों का प्रबंधन करने की अनुमति दी, लेकिन राजनीतिक मामलों के प्रबंधन के लिए नियंत्रण बोर्ड नामक एक नई संस्था का गठन किया। इस प्रकार, इसने दोहरी सरकार की व्यवस्था स्थापित की।

1793 का चार्टर अधिनियम:

- इसने लॉर्ड कॉर्नवॉलिस को उनकी परिषद पर दी गई सर्वोच्च शक्ति

को सभी भावी गवर्नर-जनरलों और प्रेसीडेंसी के गवर्नरों तक विस्तारित कर दिया।

- इसने गवर्नर-जनरल को बंबई और मद्रास की अधीनस्थ प्रेसीडेंसियों की सरकारों पर अधिक अधिकार और नियंत्रण प्रदान किया।
- इसने भारत में कंपनी के व्यापार एकाधिकार को बीस वर्षों की अवधि के लिए बढ़ा दिया।

1813 का चार्टर अधिनियम

- इसने भारत में कंपनी के व्यापार एकाधिकार को समाप्त कर दिया।
- इसने भारत में कंपनी के क्षेत्रों पर ब्रिटिश क्राउन की संप्रभुता का दावा किया।
- इसने लोगों को प्रबुद्ध करने के उद्देश्य से ईसाई मिशनरियों को भारत आने की अनुमति दी।
- इसने भारत में ब्रिटिश क्षेत्रों के निवासियों के बीच पश्चिमी शिक्षा के प्रसार का प्रावधान किया।

1833 का चार्टर अधिनियम

- ब्रिटिश भारत में केन्द्रीकरण की दिशा में अंतिम कदम था।
- इसने बंगाल के गवर्नर-जनरल को भारत का गवर्नर जनरल बना दिया तथा उसे सभी नागरिक और सैन्य शक्तियां प्रदान कर दीं।
- इसने बम्बई और मद्रास के राज्यपालों को उनकी विधायी शक्तियों से वंचित कर दिया।
- इसने ईस्ट इंडिया कंपनी की वाणिज्यिक संस्था के रूप में गतिविधियों को समाप्त कर दिया, जो पूर्णतः प्रशासनिक संस्था बन गयी।
- 1833 के चार्टर अधिनियम ने सिविल सेवकों के चयन के लिए खुली प्रतियोगिता की प्रणाली शुरू करने का प्रयास किया।

1853 का चार्टर अधिनियम

- इसने पहली बार गवर्नर-जनरल की परिषद के विधायी और कार्यकारी कार्यों को अलग कर दिया।
- इसने सिविल सेवकों के चयन और भर्ती के लिए खुली प्रतियोगिता प्रणाली शुरू की।
- इसने पहली बार भारतीय (केन्द्रीय) विधान परिषद में स्थानीय प्रतिनिधित्व की शुरुआत की।

Q 37. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- विकल्प (a) सही सुमेलित है: 101वें संविधान संशोधन अधिनियम (2016) ने विभिन्न प्रावधानों में संशोधन करके और संविधान में अनुच्छेद 246A, 269A और 279A सम्मिलित करके माल और सेवा कर (GST) की शुरुआत की।
- विकल्प (b) गलत तरीके से मेल खाता है: 102वें संविधान संशोधन अधिनियम (2018) ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC) को संवैधानिक दर्जा दिया और अनुच्छेद 338B जोड़ा। हालाँकि, राज्य सरकारों को सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (SEBC) की पहचान करने का अधिकार बाद में 105वें संशोधन अधिनियम (2021) द्वारा बहाल किया गया, न कि 102वें संशोधन द्वारा।
- विकल्प (c) सही सुमेलित है: 103वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम (2019) ने अनुच्छेद 15 और 16 में संशोधन करके शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10% आरक्षण की शुरुआत की।
- विकल्प (d) सही सुमेलित है: 106वां संविधान संशोधन विधेयक,

2023, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं (महिला आरक्षण अधिनियम) में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण लागू करने के लिए पारित किया गया था।

Q 38. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- कथन (a) सही नहीं है: एक लिशंकु विधानसभा, जहाँ किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत प्राप्त न हो और कोई व्यवहार्य गठबंधन संभव न हो, संविधान के अनुच्छेद 356 के अंतर्गत राष्ट्रपति शासन लगाने का एक वैध कारण हो सकता है। यह एक संवैधानिक सरकार बनाने में विफलता को दर्शाता है।
- कथन (b) सही है: किसी राज्य में केवल कुप्रशासन, भ्रष्टाचार या वित्तीय संकट संवैधानिक तंत्र की विफलता नहीं है। एसआर बोम्मई मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा था कि राजनीतिक या प्रशासनिक विफलताओं के लिए राष्ट्रपति शासन नहीं लगाया जा सकता, जब तक कि कोई संवैधानिक विफलता न हो। इसलिए, ऐसे आधारों पर राष्ट्रपति शासन लगाना अनुचित होगा।
- कथन (c) सही नहीं है: यदि बहुमत वाली पार्टी मंत्रालय बनाने से इनकार करती है और कोई वैकल्पिक गठबंधन उपलब्ध नहीं है, तो यह एक संवैधानिक संकट का कारण बनता है, जो अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन को उचित ठहराता है।
- कथन (d) सही नहीं है: यदि कोई राज्य सरकार केंद्र के संवैधानिक निर्देश की अवज्ञा करती है, तो वह राष्ट्रपति शासन लगाने को उचित ठहरा सकती है क्योंकि यह राज्य द्वारा संवैधानिक दायित्वों का उल्लंघन दर्शाता है।

Q 39. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- अभिकथन (A) सही है: भारतीय संविधान के अनुच्छेद 79 के अनुसार, “संसद राष्ट्रपति और दोनों सदनों” - राज्यसभा और लोकसभा से मिलकर बनती है। अतः राष्ट्रपति संसद का एक अंग है।
- कारण (R) भी सही है: अनुच्छेद 111 के अनुसार, संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक को कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त करनी होती है। इस स्वीकृति के बिना, विधायी प्रक्रिया अधूरी है।
- (R), (A) की सही व्याख्या है: कारण अभिकथन का पूर्ण समर्थन करता है - चूँकि किसी विधेयक को कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की स्वीकृति संवैधानिक रूप से आवश्यक है, इसलिए यह उचित ठहराता है कि राष्ट्रपति को संसद का अंग क्यों माना जाता है।

Q 40. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- अनुच्छेद 21A में यह घोषित किया गया है कि राज्य छह से चौदह वर्ष की आयु के सभी बच्चों को ऐसी रीति से निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करेगा, जैसा कि राज्य निर्धारित करे।
- यह प्रावधान 86वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 द्वारा जोड़ा गया था। यह संशोधन देश के «सभी के लिए शिक्षा» के लक्ष्य को प्राप्त करने में एक प्रमुख मील का पत्थर है।

- सरकार ने इस कदम को 'नागरिक अधिकारों के अध्याय में दूसरी क्रांति की शुरुआत' बताया।

Q 41. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- नागालैंड का औपचारिक रूप से भारत के 16वें राज्य के रूप में उद्घाटन 1 दिसंबर, 1963 को हुआ।
- नागा जनजातियों के विशिष्ट इतिहास और संस्कृति को पहचानने के लिए इसे नागा हिल्स तुएनसांग क्षेत्र (NHTA) से अलग कर बनाया गया था।
- कोहिमा को राज्य की राजधानी घोषित किया गया।
- नागालैंड का निर्माण नागा लोगों की अधिक स्वायत्तता की मांग को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

Q 42. उत्तर: (c)

व्याख्या:

दिए गए मामले और उनसे जुड़े वर्ष हैं -

- आई.आर. कोएलो मामला - 2007
- मेनका मामला - 1978
- गोपालन मामला - 1950
- मंडल मामला - 1992

Q 43. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारतीय संविधान की तीसरी अनुसूची में निम्नलिखित पदों के प्रतिज्ञान के प्रपत्र शामिल हैं- केंद्रीय मंत्री, संसद के चुनाव के लिए उम्मीदवार, संसद के सदस्य, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, राज्य के मंत्री, राज्य विधानमंडल के चुनाव के लिए उम्मीदवार, राज्य विधानमंडल के सदस्य और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश।
- दूसरी अनुसूची में, न कि तीसरी अनुसूची में, राज्यों के राज्यपालों की परिलब्धियों, भत्तों, विशेषाधिकारों आदि से संबंधित प्रावधान हैं।

Q 44. उत्तर: (c)

व्याख्या:

निम्नलिखित पद भारतीय संविधान में दी गई वरीयता तालिका में सही क्रम में दिए गए हैं-

- उपराष्ट्रपति
- प्रधानमंत्री
- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश
- भारत के महान्यायाधी

Q 45. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- प्रसिद्ध विधि इतिहासकार चार्ल्स हेनरी एलेक्जेंड्रोविच ने भारत को

“एक अनुठा मामला” (अपनी तरह का एक अलग मामला) बताया।

- उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का संवैधानिक, कानूनी और राजनीतिक विकास, प्राचीन परंपराओं और आधुनिक लोकतांत्रिक ढांचे के मिश्रण के कारण, पश्चिमी मॉडलों की तुलना में अद्वितीय है।

Q 46. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- 26वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1971 ने रियासतों के पूर्व शासकों को उनके विलय समझौते के भाग के रूप में दिए जाने वाले प्रिवी पर्स को समाप्त कर दिया।
- इसने संविधान के अनुच्छेद 291 और 362 को भी हटा दिया, जो प्रिवी पर्स और विशेषाधिकारों से संबंधित थे।
- इस कदम को स्वतंत्र भारत में अधिक समानता और विशेषाधिकारों को समाप्त करने की दिशा में एक कदम के रूप में देखा गया।

Q 47. उत्तर: (d)

व्याख्या:

- IPG की सदस्यता सभी संसद सदस्यों के लिए खुली है। पूर्व संसद सदस्य भी समूह के सहयोगी सदस्य बन सकते हैं।

Q 48. उत्तर: (d)

व्याख्या:

- विकल्प (a) सही है: मूल संविधान में न्यायाधिकरणों के संबंध में कोई प्रावधान नहीं था। 1976 के 42वें संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान में एक नया भाग XIV-A जोड़ा गया। इस भाग को 'न्यायाधिकरण' कहा जाता है और इसमें केवल दो अनुच्छेद हैं— अनुच्छेद 323A प्रशासनिक न्यायाधिकरणों से संबंधित है और अनुच्छेद 323B अन्य मामलों के लिए न्यायाधिकरणों से संबंधित है।
- विकल्प (b) और (c) सही हैं: अनुच्छेद 323 A और 323 B निम्नलिखित तीन पहलुओं में भिन्न हैं:
 - ✓ जबकि अनुच्छेद 323 A केवल लोक सेवा मामलों के लिए न्यायाधिकरणों की स्थापना की बात करता है, अनुच्छेद 323 B कुछ अन्य मामलों के लिए न्यायाधिकरणों की स्थापना की बात करता है।
 - ✓ जबकि अनुच्छेद 323 A के तहत न्यायाधिकरण केवल संसद द्वारा स्थापित किया जा सकता है, अनुच्छेद 323 B के तहत न्यायाधिकरण संसद और राज्य विधानमंडल दोनों द्वारा स्थापित किया जा सकता है।
 - ✓ अनुच्छेद 323 A के तहत, केंद्र के लिए केवल एक और प्रत्येक राज्य या दो या अधिक राज्यों के लिए एक न्यायाधिकरण स्थापित किया जा सकता है। न्यायाधिकरणों के पदानुक्रम का कोई प्रश्न ही नहीं उठता, जबकि अनुच्छेद 323 B के तहत न्यायाधिकरणों का पदानुक्रम बनाया जा सकता है।
- विकल्प (d) सही नहीं है: केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) की स्थापना 1985 में दिल्ली में मुख्य पीठ और विभिन्न राज्यों में अतिरिक्त पीठों के साथ की गई थी।

Q 49. उत्तर: (d)**व्याख्या:**

- कथन (a) गलत है: लोक अदालतों को मुकदमे-पूर्व चरण के विवादों के साथ-साथ अदालतों में लंबित विवादों को निपटाने का अधिकार है। मुकदमेबाजी के बोझ को कम करने के लिए यह उनकी प्रमुख विशेषताओं में से एक है।
- कथन (b) गलत है: लोक अदालतें शमनीय अपराधों का निपटारा कर सकती हैं। गैर-शमनीय अपराध उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं।
- कथन (c) गलत है: प्रत्येक लोक अदालत का गठन आमतौर पर एक सेवारत या सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी द्वारा अध्यक्ष के रूप में किया जाता है, लेकिन इसमें कानूनी पेशेवर, सामाजिक कार्यकर्ता या सार्वजनिक हस्तियाँ जैसे अन्य व्यक्ति भी शामिल हो सकते हैं। इसलिए, यह केवल न्यायिक अधिकारियों तक ही सीमित नहीं है।
- कथन (d) सही है: विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अनुसार, लोक अदालत का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है, और ऐसे निर्णय के विरुद्ध किसी भी न्यायालय में अपील नहीं की जा सकती। हालाँकि, यदि पक्षकार असंतुष्ट हैं और कोई समझौता नहीं हो पाता है, तो वे न्यायालय में मुकदमा दायर करने के लिए स्वतंत्र हैं।

Q 50. उत्तर: (d)**व्याख्या:**

- अनुच्छेद 153--- राज्यों के राज्यपाल
- अनुच्छेद 200--- विधेयकों पर राज्यपाल की स्वीकृति
- अनुच्छेद 213--- राज्यपाल की अध्यादेश प्रख्यापित करने की शक्ति
- अनुच्छेद 165--- राज्य के लिए महाधिवक्ता
- अनुच्छेद 166---राज्य सरकार के कार्य का संचालन

Q 51. उत्तर: (b)**व्याख्या:**

भारतीय संविधान के दिए गए भाग और उनसे संबंधित विषय-वस्तु हैं-

- भाग XV – चुनाव
- भाग XVI – कुछ वर्गों से संबंधित विशेष प्रावधान
- भाग XVII – राजभाषा
- भाग XX – संविधान संशोधन

Q 52. उत्तर: (c)**व्याख्या:**

- कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड को सूल Ca(OH) द्वारा दर्शाया जाता है।
- इसे सामान्यतः बुझा हुआ चूना कहा जाता है।
- इसे बिना बुझे चूने (CaO) में पानी मिलाकर बनाया जाता है।
- इसका व्यापक रूप से निर्माण (मोर्टार, प्लास्टर), जल उपचार, तथा दंत चिकित्सा में हल्के एंटीसेप्टिक के रूप में उपयोग किया जाता है।

Q 53. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

- विषाणु, अकोशिकीय जीव होते हैं जिनमें कोशिकीय तंत्र नहीं होते, जिनमें माइटोकॉन्ड्रिया या ऊर्जा उत्पादन (जैसे ATP उत्पादन) के लिए आवश्यक एंजाइम शामिल हैं। ये प्रतिकृति बनाने और कार्य करने के लिए पूरी तरह से मेज़बान कोशिका की उपापचयी मशीनरी पर निर्भर करते हैं। अतः, कथन 1 सही है।
- विषाणुओं को जीवाणुओं या कवकों जैसे कृत्रिम (निर्जीव) माध्यमों में संवर्धित नहीं किया जा सकता। उन्हें प्रतिकृति बनाने के लिए जीवित पोषक कोशिकाओं (जैसे जंतु कोशिकाएँ, पादप कोशिकाएँ, या जीवाणु कोशिकाएँ) की आवश्यकता होती है। अतः, कथन 2 गलत है।
- विषाणु केवल जैविक वाहकों (जैसे मच्छर) द्वारा ही नहीं, बल्कि अनेक मार्गों से फैल सकते हैं।

Q 54. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

- किसी पिंड में लगाए गए बल के लंबवत विकृति को पार्श्व विकृति कहते हैं। साइमन पॉइसन ने बताया कि प्रत्यास्थ सीमा के भीतर, पार्श्व विकृति, अनुदैर्घ्य विकृति के समानुपाती होती है। किसी खिंचे हुए तार में पार्श्व विकृति और अनुदैर्घ्य विकृति के अनुपात को पॉइसन अनुपात कहते हैं।

Q 55. उत्तर: (d)**व्याख्या:**

- इंद्रधनुष एक प्राकृतिक स्पेक्ट्रम है जो वर्षा के बाद आकाश में दिखाई देता है। यह वायुमंडल में उपस्थित सूक्ष्म जल की बूंदों द्वारा सूर्य के प्रकाश के विक्षेपण के कारण बनता है। इंद्रधनुष हमेशा सूर्य की दिशा के विपरीत दिशा में बनता है। जल की बूंदें छोटे प्रिज्मों की तरह कार्य करती हैं। वे आपतित सूर्य के प्रकाश को अपवर्तित और विक्षेपित करती हैं, फिर उसे आंतरिक रूप से परावर्तित करती हैं और अंत में वर्षा की बूंद से बाहर आने पर पुनः अपवर्तित करती हैं। प्रकाश के विक्षेपण और आंतरिक परावर्तन के कारण, विभिन्न रंग प्रेक्षक की आँखों तक पहुँचते हैं। अतः, विक्षेपण, अपवर्तन और आंतरिक परावर्तन इंद्रधनुष के निर्माण के लिए उत्तरदायी हैं।

Q 56. उत्तर: (c)**व्याख्या:**

पदार्थ	घनत्व (किलोग्राम·मी ⁻³)
ताँबा	8890
लोहा (गढ़ा)	7800–7900
इस्पात	7860
अल्युमीनियम	2710
ठोस	2320

काँच	2190
हड्डी	1900
पॉलीस्टाइरीन	1050
लकड़ी	525

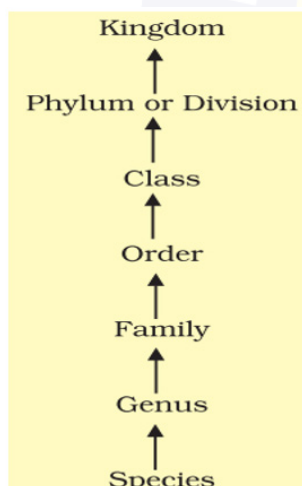
Q 57. उत्तर: (a)

व्याख्या:

तरंग का प्रकार	तरंगदैर्घ्य रेंज (उच्च से निम्न)
रेडियो तरंगें	> 0.1 m
माइक्रोवेव	0.1 m से 1 mm
इन्फ्रारेड (IR)	1 mm से 700 nm
दृश्यमान प्रकाश	700 nm से 400 nm
पराबैंगनी	400 nm से 1 nm
एक्स-रे	1 nm से 10^{-3} nm
गामा किरणें	< 10^{-3} nm

Q 58. उत्तर: (c)

व्याख्या:



Q 59. उत्तर: (b)

व्याख्या:

पाँच जगतों की विशेषताएँ -

लक्षण	मोनेरा	प्रोटिस्टा	कवक	पादप	जन्तु
कोशिका प्रकार	प्रोकैरियोटिक	यूकैरियोटिक	यूकैरियोटिक	यूकैरियोटिक	यूकैरियोटिक
कोशिका भित्ति	गैर-सेल्यूलोसिक (पॉलीसेकेराइड + अमीनो एसिड)	कुछ में मौजूद	वर्तमान (काइटिन के साथ)	वर्तमान (सेल्यूलोज)	अनुपस्थित
परमाणु झिल्ली	अनुपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
निकाय संगठन	सेलुलर	सेलुलर	बहुकोशिकीय / ढीला ऊतक	ऊतक / अंग	ऊतक / अंग / अंग प्रणाली
पोषण का तरीका	स्वपोषी (रसायन संश्लेषक) एवं प्रकाश संश्लेषक), और परपोषी (शेव-परजीवी)	स्वपोषी (प्रकाश संश्लेषक) और विषमपोषी	परपोषी (मृतजीवी/परजीवी)	स्वपोषी (प्रकाश संश्लेषक)	परपोषी (समजीवी, आदि)

Q 60. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- विटामिन A, D, E, K → वसा में घुलनशील
- विटामिन B-कॉम्प्लेक्स और C → जल में घुलनशील

विटामिन	वैज्ञानिक / रासायनिक नाम	प्रकार (जल/वसा में घुलनशील)
A	रेटिनॉल / β -कैरोटीन	वसा में घुलनशील
B 1	थाइमीन	पानी में घुलनशील
B9	फोलिक एसिड / फोलेट	पानी में घुलनशील
B12	कोबालामिन	पानी में घुलनशील
C	एस्कॉर्बिक अम्ल	पानी में घुलनशील
D	कैल्सिफेरॉल	वसा में घुलनशील
E	टोकोफेरॉल	वसा में घुलनशील
K	फाइलोक्विनोन (K1), मेनाक्विनोन (K2)	वसा में घुलनशील

Q 61. उत्तर: (b)

व्याख्या:

धातु	अयस्क	रासायनिक संरचना
जस्ता	जिंक ब्लेंड	ZnS
	कैलेमाइन	ZnCO ₃
	जिंकाइट	ZnO
पारा	फ्रैंकलिनाइट	ZnO·Fe ₂ O ₃
	सिनेबार	HgS
टिन	कैसिटेराइट	SnO ₂
सीसा	गलेना	PbS
	सेरुसाइट	PbCO ₃
	एंगलसाइट	PbSO ₄

Q 62. उत्तर: (c)

व्याख्या:

पॉलीमर	उपयोग
टेफ्लॉन (PTFE)	नॉन-स्टिक कुकवेयर, गैस्केट, इंसुलेशन
एक प्रकार का प्लास्टिक	विद्युत स्विच, हैंडल, चिपकने वाले पदार्थ
लेक्सन (पॉलीकार्बोनेट)	बुलेटप्रूफ ग्लास, सीडी/डीवीडी, हेलमेट, लेंस
melamine	लैमिनेट, रसोई के बर्तन, चिपकने वाले पदार्थ, कोटिंग्स
केवलर	बुलेटप्रूफ जैकेट, रस्सियाँ, सुरक्षात्मक कपड़े
एक प्रकार का प्लास्टिक	विद्युत स्विच, हैंडल, चिपकने वाले पदार्थ, ऊष्मा प्रतिरोधी घटक

टेफ्लॉन (PTFE)	नॉन-स्टिक कुकवेयर, गैस्केट, इंसुलेशन
नायलॉन-6.6	रस्सियाँ, वस्त्र, कालीन, यांत्रिक पुर्जे
नायलॉन-6	रेशे, धागे, मछली पकड़ने के जाल

Q 63. उत्तर: (b)

व्याख्या:

अभिकथन (A): यह असत्य है। गुरुत्वाकर्षण बल अक्षांश के साथ दो मुख्य कारकों के कारण बदलता है:

- पृथ्वी एक पूर्ण गोलाकार वस्तु नहीं है; यह एक चपटा गोलाकार आकृति है, जिसका अर्थ है कि यह भूमध्य रेखा पर उभरी हुई है और ध्रुवों पर चपटी है। यही कारण है कि पृथ्वी के केंद्र से पृथ्वी की सतह की दूरी ध्रुवों की तुलना में भूमध्य रेखा पर अधिक होती है। चूंकि गुरुत्वाकर्षण बल पृथ्वी के केंद्र से दूरी के वर्ग के व्युत्क्रमानुपाती होता है, इसलिए भूमध्य रेखा पर यह थोड़ा कमजोर होता है।
- पृथ्वी के घूर्णन के कारण उत्पन्न अपकेन्द्रीय बल भी आभासी गुरुत्वाकर्षण बल को प्रभावित करता है। यह बल भूमध्य रेखा पर अधिकतम और ध्रुवों पर शून्य होता है, जिससे ध्रुवों की तुलना में भूमध्य रेखा पर प्रभावी गुरुत्वाकर्षण बल और भी कम हो जाता है।

कारण (R): यह सत्य है। जैसा कि बताया गया है, गुरुत्वाकर्षण बल पृथ्वी के केंद्र से दूरी पर निर्भर करता है। गुरुत्वाकर्षण बल का सूत्र $F = \frac{GMm}{r^2}$ है, जहाँ r पृथ्वी के केंद्र से दूरी है। इस प्रकार, बल r के साथ बदलता रहता है।

Q 64. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण का आठवाँ हिस्सा नहीं है; बल्कि लगभग छठा हिस्सा है। इसलिए, यह कथन गलत है। हालाँकि, दिया गया कारण सही है क्योंकि चंद्रमा का कमजोर गुरुत्वाकर्षण और कम पलायन वेग इसे पर्याप्त वायुमंडल बनाए रखने में असमर्थ बनाता है।

Q 65. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- पॉलीइथिलीन का निर्माण एथिलीन (C_2H_4) मोनोमर्स के योगात्मक बहुलकीकरण द्वारा होता है, जिसमें किसी भी छोटे अणु का उन्मूलन नहीं होता।
- नायलॉन-6,6 और टेरीलीन (PET) का उत्पादन संघनन बहुलकीकरण द्वारा किया जाता है, जहाँ पानी जैसे छोटे अणु समाप्त हो जाते हैं।
- बैकेलाइट भी एक संघनन बहुलक है, जो फिनोल और फॉर्मल्लिहाइड से बनता है।
- इस प्रकार, दिए गए विकल्पों में से केवल पॉलीइथिलीन को ही योगात्मक बहुलकीकरण द्वारा संश्लेषित किया जाता है।

Q 66. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- सही उत्तर विकल्प (b) है: प्रकाश तरंगों किसी खुरदरी सतह से

गुजरने के बाद सभी दिशाओं में समान रूप से फैलती हैं। प्रकाश का विसरण तब होता है जब प्रकाश किसी अनियमित या खुरदरी सतह से टकराता है और एक ही दिशा में परावर्तित होने के बजाय, किरणें कई दिशाओं में बिखर जाती हैं। प्रकाश के इस फैलाव के कारण वस्तुएँ विभिन्न कोणों से दिखाई देती हैं। विकल्प (a) अपवर्तन को, विकल्प (c) व्यतिकरण को, और विकल्प (d) नियमित परावर्तन को संदर्भित करता है। इसलिए, विसरण को किसी खुरदरी सतह से विभिन्न दिशाओं में प्रकाश तरंगों के प्रकीर्णन द्वारा सबसे अच्छी तरह समझाया जा सकता है।

Q 67. उत्तर: (b)

व्याख्या:

भू-स्तरीय ओज़ोन शहरी धुंध का एक प्रमुख घटक है और यह तब बनता है जब नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO_x) और वाष्पशील कार्बनिक यौगिक (VOCs) सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में प्रतिक्रिया करते हैं। यह प्रकाश-रासायनिक अभिक्रिया पृथ्वी की सतह के पास ओज़ोन उत्पन्न करती है, जो मानव स्वास्थ्य और वनस्पति के लिए हानिकारक है।

- कार्बन मोनोऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड अन्य प्रकार के प्रदूषण में योगदान करते हैं, लेकिन ये जमीनी स्तर के ओज़ोन के प्राथमिक अग्रदूत नहीं हैं।
- कणिकीय पदार्थ और अमोनिया, धुंध और अम्लीय वर्षा जैसी विभिन्न प्रदूषण समस्याओं से जुड़े हैं, लेकिन ओज़ोन निर्माण से सीधे तौर पर नहीं।
- मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड ग्रीनहाउस गैसों हैं जो ग्लोबल वार्मिंग को प्रभावित करती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर ओज़ोन उत्पादन में प्रमुख भूमिका नहीं निभाती हैं।

Q 68. उत्तर: (d)

व्याख्या:

- राइबोफ्लेविन, जिसे विटामिन B₂ भी कहा जाता है, ऊर्जा चयापचय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी कमी से पेलाया (नियासिन की कमी), स्कर्वी (विटामिन C की कमी), या बेरी-बेरी (थायमिन की कमी) जैसी बीमारियाँ नहीं होतीं। इसके बजाय, राइबोफ्लेविन की कमी से चेलोसिस होता है, जिसमें मुँह के कोनों में दरारें और घाव, होठों में सूजन और कभी-कभी जीभ का रंग मैजेंटा हो जाता है।

Q 69. उत्तर: (c)

व्याख्या:

अग्र पिट्यूटरी ग्रंथि (जिसे एडेनोहाइपोफिसिस भी कहा जाता है) निम्नलिखित हार्मोन स्रावित करती है:

- वृद्धि हार्मोन (GH)
- प्रोलैक्टिन (PRL)
- थायराइड उत्तेजक हार्मोन (TSH)
- एड्रेनोकोर्टिकोट्रोपिक हार्मोन (ACTH)
- ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (LH)
- फॉलिकल-उत्तेजक हार्मोन (FSH)

दूसरी ओर, ऑक्सीटोसिन पश्च पिट्यूटरी ग्रंथि (न्यूरोहाइपोफिसिस) द्वारा स्रावित होता है, हालांकि इसे हाइपोथैलेमस में संश्लेषित किया जाता है और फिर भंडारण और रिलीज के लिए पश्च पिट्यूटरी में ले जाया जाता है।

Q 70. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- RNA और DNA दोनों में एडेनिन, ग्वानिन, साइटोसिन आदि जैसे नाइट्रोजनी क्षार होते हैं, इसलिए नाइट्रोजन उनकी संरचना के लिए आवश्यक है।
- क्लोरोफिल में एक केंद्रीय मैग्नीशियम आयन के साथ एक पोर्फिरिन वलय होता है, और पोर्फिरिन वलय में नाइट्रोजन परमाणु शामिल होते हैं।
- वसा या लिपिड मुख्यतः कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से बने होते हैं, लेकिन नाइट्रोजन से नहीं।

Q 71. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- एक सामान्य जंतु कोशिका मुख्यतः प्रोटीन, लिपिड और न्यूक्लिक अम्लों से बनी होती है, साथ ही कार्बोहाइड्रेट भी अल्प मात्रा में होते हैं। हालांकि, सेल्यूलोज जंतु कोशिकाओं का एक घटक नहीं है; यह पौधों की कोशिका भित्ति में पाया जाने वाला एक संरचनात्मक पॉलीसैकेराइड है। इसलिए, जंतु कोशिका के प्रमुख रासायनिक घटकों में प्रोटीन, लिपिड और न्यूक्लिक अम्ल शामिल हैं, जिससे विकल्प (b) सही है।

Q 72. उत्तर: (d)

व्याख्या:

- यह कथन कि “तापमान बढ़ने पर शहद की श्यानता बढ़ जाती है” गलत है। वास्तव में, जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, शहद की श्यानता कम होती जाती है। इसका अर्थ है कि शहद कम गाढ़ा हो जाता है और गर्म करने पर अधिक आसानी से बहता है। इस व्यवहार के पीछे का कारण यह है कि तापमान बढ़ने से शहद के अणुओं की गतिज ऊर्जा बढ़ जाती है, जिससे वे अंतर-आणविक बलों पर अधिक प्रभावी ढंग से काबू पा लेते हैं, जिससे श्यानता कम हो जाती है।
- दिया गया कारण, “तापमान बढ़ने से अणुओं की गतिज ऊर्जा बढ़ जाती है,” सही है। उच्च तापमान अणुओं को अधिक गतिज ऊर्जा प्रदान करता है, जिससे वे अधिक तीव्रता से गति करते हैं। यह बढ़ी हुई गति शहद जैसे द्रवों में अंतर-आणविक आकर्षण को कम कर देती है, जिसके परिणामस्वरूप श्यानता कम हो जाती है।

Q 73. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- रेयान वास्तव में सेल्यूलोज से बना एक अर्द्ध-सिंथेटिक फाइबर है, जो लकड़ी के गूदे से प्राप्त होता है, न कि संशोधित स्टार्च से।

Q 74. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- कारा सागर आर्कटिक महासागर का सीमांत सागर है जो रूस के साइबेरिया के उत्तर में स्थित है। कारा, ओब, पियासीना और येनिसी नदियाँ कारा सागर में गिरती हैं।

Q 75. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- अभिकथन (A) सत्य है: जैव आवर्धन (खाद्य श्रृंखला में ऊपर की ओर बढ़ने पर प्रदूषक की सांद्रता में वृद्धि) के लिए, प्रदूषक का स्थायी या दीर्घकालिक होना आवश्यक है। केवल ऐसे पदार्थ ही जीवों में समय के साथ संचित हो सकते हैं और बिना विघटित हुए शिकार से शिकारी तक पहुँच सकते हैं।
- कारण (R) भी सत्य है और (A) की व्याख्या करता है: यदि कोई प्रदूषक अल्पकालिक है, तो वह हानिकारक स्तर तक पहुँचने या खाद्य श्रृंखला में ऊपर जाने से पहले ही विघटित हो जाएगा या उत्सर्जित हो जाएगा। इसलिए, अल्पकालिक पदार्थ जैव-आवर्धन नहीं करते क्योंकि वे पारिस्थितिकी तंत्र या जीवों में इतने लंबे समय तक नहीं रहते कि उनकी सांद्रता विभिन्न पोषी स्तरों में बढ़ सके।
- चूंकि कथन और कारण दोनों सटीक हैं और (R) स्पष्ट रूप से बताता है कि (A) सत्य क्यों है।

Q 76. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- | | |
|-------------------|-------------------|
| ● एटलस पर्वत | माउंट टूबकल |
| ● अप्लेशियन पर्वत | माउंट मिशेल |
| ● ड्रेकेन्सबर्ग | थबाना नट्लेन्याना |
| ● एंडीज | माउंट एकांकागुआ |

Q 77. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- रूस और यूक्रेन एक उथले जलक्षेत्र को साझा करते हैं जिसे आज़ोव सागर कहा जाता है। खुले जलक्षेत्र तक इसकी एकमात्र पहुँच केरच जलडमरूमध्य से होकर है, जो इसे काला सागर से जोड़ता है। 2014 में क्रीमिया पर कब्ज़ा करने के बाद रूस ने दोनों तरफ केरच जलडमरूमध्य पर नियंत्रण स्थापित कर लिया था।

Q 78. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- काली मिट्टी में फास्फोरस और कार्बनिक पदार्थ दोनों की कमी होती है, जिससे कथन (b) गलत हो जाता है। ये मिट्टी, जिन्हें रेगुर मिट्टी भी कहा जाता है, चूना, लोहा और मैग्नेशिया जैसे आवश्यक खनिजों से भरपूर होती हैं, जो अपनी जल धारण क्षमता के कारण कपास जैसी फसलों के लिए लाभदायक होती हैं। इसके अतिरिक्त, इनमें पोटाश भी होता है, जो इनकी उर्वरता को बढ़ाता है। इनका रंग गहरे

काले से लेकर धूसर तक होता है, जो खनिज सामग्री के आधार पर भिन्न होता है, और ये आमतौर पर बेसाल्टिक चट्टानी संरचनाओं वाले क्षेत्रों में पाई जाती हैं।

Q 79. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारत में “टील कार्बन” पर पहला अध्ययन राजस्थान के केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में किया गया, जिसमें जलवायु अनुकूलन और लचीलेपन के लिए आर्द्रभूमि संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया।
- टील कार्बन, गैर-ज्वारीय मीठे पानी की आर्द्रभूमि में संग्रहीत कार्बन को संदर्भित करता है, जिसमें वनस्पति, सूक्ष्मजीवी बायोमास और कार्बनिक पदार्थ शामिल हैं।

Q 80. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- उष्णकटिबंधीय काँटेदार वन उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ 50 सेमी से कम वर्षा होती है। इनमें विभिन्न प्रकार की घास और झाड़ियाँ पाई जाती हैं। इसमें दक्षिण-पश्चिम पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के अर्ध-शुष्क क्षेत्र शामिल हैं। इन वनों में, पौधे वर्ष के अधिकांश समय पत्ती रहित रहते हैं और झाड़ीदार वनस्पति का आभास देते हैं। यहाँ पाई जाने वाली प्रमुख प्रजातियाँ हैं बबूल, बेर, जंगली खजूर, खैर, नीम, खेजड़ी, पलास आदि। टसोंकी घास 2 मीटर की ऊँचाई तक नीचे की ओर उगती है।

Q 81. उत्तर: (a)

व्याख्या:

सही सुमेलित सूची इस प्रकार है:

- टुंड्रा - टुंड्रा बायोम के दक्षिणी भाग में पेड़ों का अभाव है, केवल कम ऊँचाई वाले झाड़ियाँ ही दिखाई देती हैं। यहाँ की ज़मीनी वनस्पतियों में लाइकेन, मॉस और सेज शामिल हैं। यहाँ के विशिष्ट जानवर बारहसिंगा, आर्कटिक लोमड़ी, ध्रुवीय भालू, बर्फीला उल्लू, लेमिंग, आर्कटिक खरगोश और तीतर हैं। सरीसृप और उभयचर लगभग अनुपस्थित हैं।
- टैगा - यहाँ की प्रमुख वनस्पति शंकुधारी सदाबहार है, जिनमें अधिकतर स्प्रूस और कुछ चीड़ और देवदार के पेड़ हैं। यहाँ के जीवों में पक्षी, बाज, फर वाले मांसाहारी जानवर, छोटे मिक, एल्क, प्यूमा, साइबेरियाई बाघ, वूल्वरिन, भेड़िये आदि शामिल हैं।
- सवाना - बिखरे हुए पेड़ों और आग प्रतिरोधी काँटेदार झाड़ियों वाली घास। यहाँ के जीवों में चरने वाले और खाने वाले जानवरों की एक विविधता शामिल है, जैसे मृग, भैंस, ज़ेबरा, हाथी और गैंडे; मांसाहारी जानवरों में शेर, चीता, लकड़बग्घा, नेवला और कई कृतक शामिल हैं।
- उष्णकटिबंधीय वर्षावन - उष्णकटिबंधीय वर्षावन पृथ्वी की सतह के लगभग 7% और विश्व की 40% वनस्पति एवं पशु प्रजातियों को आच्छादित करते हैं। यहाँ चौड़ी पत्ती वाले सदाबहार वृक्षों की बहुमंजिला प्रजातियाँ प्रचुर मात्रा में पाई जाती हैं। अधिकांश पशु और अधिपादप पौधे छल या वृक्ष शीर्ष क्षेत्रों में केंद्रित होते हैं।

Q 82. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- एक पारिस्थितिकी तंत्र अनिवार्य रूप से एक छोटे बायोम तक ही सीमित नहीं होता। हालाँकि पारिस्थितिकी तंत्र बायोम के भीतर ही मौजूद होते हैं, लेकिन उनका आकार अलग-अलग हो सकता है और वे “छोटे” होने तक सीमित नहीं होते। बायोम एक बड़ी पारिस्थितिक इकाई होती है जिसमें कई पारिस्थितिकी तंत्र शामिल होते हैं।
- किसी पारिस्थितिकी तंत्र की स्व-नियमन के माध्यम से स्थिरता बनाए रखने की क्षमता को होमियोस्टेसिस कहा जाता है। यह अवधारणा पारिस्थितिकी तंत्र की परिवर्तनों का प्रतिरोध करने और गड़बड़ी के बाद संतुलन बहाल करने की क्षमता को संदर्भित करती है।

Q 83. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- “एज प्रभाव” दो अलग-अलग पारिस्थितिक तंत्रों या आवासों के बीच संक्रमण क्षेत्र में पाई जाने वाली प्रजातियों की बढ़ी हुई विविधता और घनत्व को दर्शाता है। यह क्षेत्र, जिसे इकोटोन कहा जाता है, अक्सर दोनों आवासों की प्रजातियों की उपस्थिति के साथ-साथ इकोटोन के लिए विशिष्ट कुछ प्रजातियों की उपस्थिति के कारण, दोनों आसन्न समुदायों की तुलना में अधिक संख्या में प्रजातियों का निवास स्थान होता है।

Q 84. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- कर्नाटक की कोलार और हट्टी खदानें अपने स्वर्ण भंडारों के लिए प्रसिद्ध हैं। इन खदानों ने भारत के स्वर्ण उत्पादन इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिनमें कोलार गोल्ड फ़िल्ड्स (KGF) विशेष रूप से प्रसिद्ध है। इन स्वर्ण भंडारों की उपस्थिति ने कर्नाटक को भारत के प्रमुख स्वर्ण उत्पादक राज्यों में से एक बना दिया है। हालाँकि आर्थिक कारणों से कोलार में स्वर्ण खनन बंद हो गया है, हट्टी एक सक्रिय स्वर्ण खनन स्थल बना हुआ है, जो भारत के घरेलू स्वर्ण उत्पादन में योगदान देता है।

Q 85. उत्तर: (b)

व्याख्या:

निम्नलिखित घटनाओं का उनके घटित होने के संदर्भ में सही कालानुक्रम है—

- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972
- जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974
- वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986

Q 86. उत्तर: (d)

व्याख्या:

- खानाबदोश जनजातियाँ मध्य एशिया में पाई जाती हैं, जो मंगोलिया और कजाकिस्तान जैसे क्षेत्रों में घूमती रहती हैं।

- पिग्मी जनजाति कांगो बेसिन में निवास करती है, घने वर्षावनों में रहती है और अपने छोटे कद के लिए जानी जाती है।
- बुशमैन जनजाति (जिन्हें सैन लोग भी कहा जाता है) दक्षिणी अफ्रीका के कालाहारी रेगिस्तान के मूल निवासी हैं।
- मसाई जनजाति केन्या और तंजानिया में रहने वाली एक पशुपालक जनजाति है, जो अपनी पशुपालन संस्कृति के लिए जानी जाती है।

Q 87. उत्तर: (c)

व्याख्या:

कुछ ठंडी स्थानीय हवाएँ हैं - पुर्गा, लेवेंटर और पैम्पेरो।

- पुर्गा रूस के टुंड्रा में चलने वाली एक ठंडी स्थानीय हवा है।
- लेवेंटर स्पेन में पूर्व से पश्चिम की ओर चलने वाली एक ठंडी स्थानीय हवा है।
- पैम्पेरो दक्षिण अमेरिका के पम्पास क्षेत्र की स्थानीय ठंडी हवाएँ हैं जो उत्तर से पश्चिम की ओर चलती हैं।
- ज़ोंडा एंडीज़ पर्वत की पूर्वी ढलानों पर चलने वाली एक गर्म शुष्क हवा है और अर्जेंटीना देश को प्रभावित करती है। सिरोंको सहारा रेगिस्तान से भूमध्य सागर की ओर चलने वाली एक स्थानीय हवा है। यह हवा शुष्क, गर्म और रेतीली प्रकृति की होती है। इस हवा में लाल रेत की मात्रा बहुत अधिक होती है।

Q 88. उत्तर: (c)

व्याख्या:

जलीय जीवों को उनके निवास क्षेत्र और इन क्षेत्रों को पार करने की उनकी क्षमता के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है।

- न्युस्टन: ये अनासक्त जीव हैं जो वायु-जल अंतरापृष्ठ पर रहते हैं जैसे तैरते हुए पौधे आदि। उदाहरण, भृंग और पशु-तैराक।
- पेरिफाइटन: ये वे जीव हैं जो जड़ वाले पौधों के तनों और पत्तियों या नीचे की मिट्टी के ऊपर उभरने वाले पदार्थों से जुड़े रहते हैं, जैसे कि अवृन्त शैवाल और उनसे संबंधित जन्तुओं का समूह।
- प्लवक: इस समूह में शैवाल (फाइटोप्लांकटन) जैसे सूक्ष्म पौधे और क्रस्टेशियन और प्रोटोजोआ (जूप्लांकटन) जैसे जानवर शामिल हैं, जो कुछ तीव्र गति से बहने वाले जल को छोड़कर सभी जलीय पारिस्थितिक तंत्रों में पाए जाते हैं।
- नेक्टन: इस समूह में वे जीव शामिल हैं जो तैराक होते हैं। नेक्टन अपेक्षाकृत बड़े और शक्तिशाली होते हैं क्योंकि उन्हें पानी की धाराओं पर काबू पाना होता है।
- बेन्थोस: बेन्थिक जीव वे हैं जो जल द्रव्यमान के तल में रहते हैं।

Q 89. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- स्वेज नहर को 1869 में नौवहन के लिए खोला गया था, लेकिन यह दुनिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित नहर नहीं है। लंबाई के हिसाब से सबसे बड़ी मानव निर्मित नहर का खिताब चीन की ग्रैंड कैनाल को प्राप्त है।
- स्वेज नहर ने केप ऑफ गुड होप के रास्ते अफ्रीका के चारों ओर जाने की आवश्यकता को समाप्त करके यूरोप और भारत के बीच यात्रा

की दूरी को काफी कम कर दिया। इस शॉर्टकट ने दूरी को लगभग 7000 किलोमीटर कम कर दिया।

Q 90. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- 979 मीटर ऊँचा दुनिया का सबसे ऊँचा झरना, साल्टो एंजेल, वेनेजुएला के कैनाइमा राष्ट्रीय उद्यान से होकर बहने वाली रियो कारोनी नदी पर स्थित है।
- दक्षिण अफ्रीका में तुगोला नदी पर स्थित तुगोला जलप्रपात 948 मीटर की प्रभावशाली ऊँचाई पर स्थित है, जो इसे विश्व का दूसरा सबसे ऊँचा जलप्रपात बनाता है।
- कैलिफ़ोर्निया के योसेमाइट राष्ट्रीय उद्यान में रिबन क्रीक के किनारे स्थित रिबन जलप्रपात 491 मीटर ऊँचा है।
- सबसे प्रतिष्ठित झरनों में से एक, नियाग्रा जलप्रपात, कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर नियाग्रा नदी पर स्थित है, जिसकी ऊँचाई 55 से 57 मीटर तक है।
- 837 मीटर ऊँचा ब्राउन जलप्रपात, न्यूजीलैंड में स्थित है।

Q 91. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- सही उत्तर (a) है क्योंकि पूर्वी घाट निरंतर ऊँची पर्वत श्रृंखलाओं की विशेषता नहीं हैं। बल्कि, वे असंतत हैं और निम्न पहाड़ियों से युक्त हैं। अन्य कथन सही हैं। पूर्वी घाट वास्तव में महानदी और गोदावरी जैसी नदियों द्वारा अपरदित होते हैं। जावड़ी पहाड़ियाँ और नल्लामाला पहाड़ियाँ पूर्वी घाट श्रृंखला का हिस्सा हैं। अंततः, पूर्वी और पश्चिमी घाट नीलगिरि पहाड़ियों पर मिलते हैं। पूर्वी घाट प्रायद्वीपीय भारत की एक महत्वपूर्ण भूवैज्ञानिक विशेषता है, जो पूर्वी तट के समानांतर फैली हुई है। इसके अलावा, ओडिशा में महेंद्रगिरि पूर्वी घाट की सबसे ऊँची चोटियों में से एक है।

Q 92. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- गंगा नदी के साथ उनकी साझा लंबाई के आधार पर राज्यों का सही आरोही क्रम उत्तराखंड (110 किमी), बिहार (445 किमी), पश्चिम बंगाल (520 किमी) और उत्तर प्रदेश (1,450 किमी) है। यह क्रम हिमालय में अपने उद्गम से लेकर सिंधु-गंगा के मैदानों तक नदी की यात्रा को दर्शाता है। गंगा इन सभी राज्यों में कृषि, उद्योग और लाखों लोगों की आजीविका को सहारा देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

Q 93. उत्तर: (d)

व्याख्या:

प्रकृति में उनके अस्तित्व के अनुसार प्रदूषकों का वर्गीकरण -

- मातात्मक प्रदूषक: ये प्रकृति में पाए जाते हैं और जब इनकी सांद्रता एक सीमा से अधिक हो जाती है, तो ये प्रदूषक बन जाते हैं।
उदाहरण: कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड।

- गुणात्मक प्रदूषक: ये प्रकृति में नहीं पाए जाते और मानव निर्मित होते हैं। जैसे कवकनाशी, खरपतवारनाशी, DDT आदि।

Q 94. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- ओपिसोमीटर एक यांत्रिक उपकरण है जिसका उपयोग विशेष रूप से मानचित्रों पर सड़कों या नदियों जैसी घुमावदार रेखाओं को मापने के लिए किया जाता है।
- मैनोमीटर एक उपकरण है जिसका उपयोग गैसों के दबाव को मापने के लिए किया जाता है, आमतौर पर पाइपलाइनों या प्रयोगशाला प्रयोगों जैसी बंद प्रणालियों में।
- एनीमोमीटर हवा की गति (या वेग) को मापता है, उसकी दिशा को नहीं।
 - ✓ हवा की दिशा मापने के लिए प्रयुक्त उपकरण पवन वेन (जिसे मौसम वेन भी कहा जाता है) है।
- बैरोमीटर वायुमंडलीय दबाव को मापता है, जिसका उपयोग अक्सर मौसम पूर्वानुमान और ऊँचाई मापने में किया जाता है।

Q 95. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- बाइसिनोसिस, जिसे आमतौर पर “ब्राउन लंग डिजीज” कहा जाता है, कपड़ा उद्योगों में कपास के धूल के साँस लेने से होने वाला एक व्यावसायिक रोग है। इससे फेफड़ों को नुकसान पहुँचता है और उनमें पुरानी सूजन आ जाती है, जिसके परिणामस्वरूप साँस लेने में कठिनाई होती है।

Q 96. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- पश्चिमी घाट अरब सागर से आने वाली नमी से भरी दक्षिण-पश्चिमी मानसूनी हवाओं के लिए एक अवरोधक का काम करते हैं। जैसे- जैसे ये हवाएँ पहाड़ों के पवन-विमुख भाग की ओर बढ़ती हैं, वे ठंडी होकर संघनित हो जाती हैं और भारी पर्वतीय वर्षा का कारण बनती हैं। यह प्रक्रिया पर्वतीय वर्षण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसके कारण पवन-विमुख भाग पर भारी वर्षा होती है जबकि पवन-विमुख भाग पर वृष्टि-छाया प्रभाव उत्पन्न होता है।
- चूँकि कारण (R) सीधे तौर पर अभिकथन (A) की व्याख्या करता है

Q 97. उत्तर: (b)

व्याख्या: -

- गर्म जल धारा - कुरोशियो धारा, उत्तरी प्रशांत महासागर धारा, अलास्का धारा, एल नीनो धारा, दक्षिण भूमध्यरेखीय धारा, पूर्वी ऑस्ट्रेलियाई धारा, भूमध्यरेखीय विरोधी महासागर धारा, सोमाली धारा
- ठंडी जल धारा - हम्बोल्ट या पेरुवियन धारा, कुरील या ओयाशिवा धारा, कैलिफोर्निया धारा, अंटार्कटिका धारा, ओखोटस्क धारा।

Q 98. उत्तर: (b)

व्याख्या:

संरक्षण के तरीके

- एक्स-सीटू संरक्षण:

- ✓ जैव विविधता को उनके प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले क्षेत्रों के बाहर संरक्षित करना एक्स-सीटू संरक्षण कहलाता है। इसमें, प्राणि उद्यानों या वनस्पति उद्यानों की तरह जानवरों का पालन-पोषण या पौधों की खेती की जाती है।
- ✓ बीज बैंक, वनस्पति, बागवानी और मनोरंजक उद्यान बाह्य-स्थानीय संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण केंद्र हैं।

- इन-सीटू संरक्षण:

- ✓ जानवरों और पौधों को उनके प्राकृतिक आवासों में संरक्षित करने को इन-सीटू संरक्षण के रूप में जाना जाता है।
- ✓ स्थापित प्राकृतिक आवास हैं:
 - राष्ट्रीय उद्यान
 - अभयारण्यों
 - जैवमंडल भंडार
 - आरक्षित वन
 - संरक्षित वन

Q 99. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- राजस्थान में अरावली पर्वतमाला से निकलने वाली लूनी नदी एक अल्पकालिक नदी है जो मुख्यतः मानसून के मौसम में बहती है और वर्ष के अधिकांश समय सूखी रहती है।

Q 100. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- | | |
|--------------------------|--------------|
| ● कांजली वेटलैंड | पंजाब |
| ● कोल्लेरू झील | आंध्र प्रदेश |
| ● लोकतक झील | मणिपुर |
| ● नलसरोवर पक्षी अभयारण्य | गुजरात |

Q 101. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- क्षोभमंडल में, ऊँचाई के साथ तापमान एक औसत दर से घटता है जिसे सामान्य ह्रास दर कहते हैं, जो लगभग 6.5°C प्रति किलोमीटर चढ़ाई होती है। हालाँकि, यह दर आर्द्रता और वायुमंडलीय परिस्थितियों के आधार पर भिन्न हो सकती है।

Q 102. उत्तर: (b)

व्याख्या:

निम्नलिखित अनुसंधान संस्थान और उनके स्थान दिए गए हैं –

- राष्ट्रीय शर्करा अनुसंधान संस्थान - कानपुर
- राष्ट्रीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान - इज्जतनगर

- राष्ट्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान केंद्र - झांसी
- बीरबल साहनी पुरावनस्पति विज्ञान संस्थान – लखनऊ

Q 103. उत्तर: (d)

व्याख्या:

बजट 2025-26 में कृषि, विकास का पहला इंजन है। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना - कृषि जिला विकास कार्यक्रम: यह कार्यक्रम राज्यों के साथ साझेदारी में शुरू किया जाएगा, जिसमें कम उत्पादकता, मध्यम फसल सघनता और औसत से कम ऋण मापदंडों वाले 100 जिलों को शामिल किया जाएगा, जिससे 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा।

कौशल, निवेश, प्रौद्योगिकी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के माध्यम से कृषि में अल्प-रोजगार की समस्या को दूर करने के लिए राज्यों के साथ साझेदारी में एक व्यापक बहु-क्षेत्रीय कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

- चरण-1 में 100 विकासशील कृषि जिलों को शामिल किया जाएगा। दलहन में आत्मनिर्भरता: सरकार तुअर, उड़द और मसूर पर ध्यान केंद्रित करते हुए 6 वर्षीय “दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन” शुरू करेगी।
- NAFED और NCCF अगले 4 वर्षों के दौरान किसानों से इन दालों की खरीद करेंगे।

सब्जियों और फलों के लिए व्यापक कार्यक्रम: राज्यों के साथ साझेदारी में किसानों के लिए उत्पादन, कुशल आपूर्ति, प्रसंस्करण और लाभकारी मूल्य को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। बिहार में मखाना बोर्ड: मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन में सुधार के लिए एक मखाना बोर्ड की स्थापना की जाएगी।

Q 104. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- एडम स्मिथ को व्यापक रूप से आधुनिक अर्थशास्त्र का जनक माना जाता है, विशेष रूप से उनकी मौलिक कृति “द वेल्थ ऑफ नेशंस” (1776) के लिए, जिसने शास्त्रीय अर्थशास्त्र और मुक्त बाजार की अवधारणा की नींव रखी।

Q 105. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- अलग समिति - 1979
- लकड़ावाला समिति - 1993
- तेंदुलकर समिति - 2009
- रंगराजन समिति - 2012

Q 106. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- जनसंख्या घनत्व, प्रति इकाई क्षेत्र (आमतौर पर प्रति वर्ग किलोमीटर या मील) में रहने वाले लोगों की संख्या को संदर्भित करता है।
✓ यह किसी भौगोलिक क्षेत्र को उसमें रहने वाली जनसंख्या से सीधे जोड़ता है।

- जनसंख्या सर्वेक्षण: जनसंख्या का अध्ययन या नमूना, जो आवश्यक रूप से क्षेत्र से जुड़ा नहीं हो।
- जनसंख्या जनगणना: जनसंख्या की पूर्ण गणना, जिसमें प्रायः विभिन्न आंकड़े शामिल होते हैं, लेकिन क्षेत्रफल के अनुपात को शामिल नहीं किया जाता, जब तक कि आगे गणना न की जाए।
- जनसंख्या पुनर्वितरण: यह एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में लोगों की आवाजाही या फैलाव को संदर्भित करता है, न कि प्रति क्षेत्र लोगों की माप को।

Q 107. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- रोम की संधि के तहत वर्ष 1958 में स्थापित यूरोपीय निवेश बैंक (EIB), यूरोपीय संघ की ऋण देने वाली शाखा है। इसका मुख्यालय लक्ज़मबर्ग में स्थित है, जिससे यह वहाँ स्थित एकमात्र यूरोपीय संघ संस्थान बन गया है।

Q 108. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- दूसरी पंचवर्षीय योजना (1956-61) को महालनोबिस योजना के नाम से जाना जाता है, जिसका उद्देश्य दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने के लिए तीव्र औद्योगीकरण, विशेष रूप से भारी उद्योगों पर केंद्रित था। इसमें आत्मनिर्भरता और स्व-उत्पादक अर्थव्यवस्था के उद्देश्य पर जोर दिया गया था। हालाँकि, सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम (DPAP) इस योजना के दौरान शुरू नहीं किया गया था; यह वर्ष 1973 में चौथी पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान शुरू हुआ। इसलिए, केवल कथन 2 सही है।

Q 109. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- आठ प्रमुख उद्योगों का सूचकांक (ICI), जो कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली जैसे प्रमुख क्षेत्रों के उत्पादन को मापता है, वर्तमान में 2011-12 को आधार वर्ष मानता है। यह राष्ट्रीय लेखा और अन्य प्रमुख सूचकांकों के साथ संरेखण सुनिश्चित करता है।

Q 110. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- IRDA की स्थापना 1999 में IRDA अधिनियम, 1999 के तहत भारत में बीमा क्षेत्र के व्यवस्थित विकास को विनियमित करने, बढ़ावा देने और सुनिश्चित करने, पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा करने तथा बीमा कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए की गई थी।

Q 111. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- SDG 3 - अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण - सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना और कल्याण को बढ़ावा देना।

- SDG 4 - गुणवत्तापूर्ण शिक्षा - समावेशी और न्यायसंगत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना और सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना।
- SDG 13 - जलवायु कार्रवाई - जलवायु परिवर्तन और उसके प्रभावों से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई करना।
- SDG 16 - शांति, न्याय और मजबूत संस्थाएँ - सतत विकास के लिए शांतिपूर्ण और समावेशी समाजों को बढ़ावा देना, सभी के लिए न्याय तक पहुँच प्रदान करना और सभी स्तरों पर प्रभावी, जवाबदेह और समावेशी संस्थाओं का निर्माण करना।

Q 112. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- वर्ष 2013 में, भारत में माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र की समस्याओं की जाँच के लिए सीवाईएच मालेगाम की अध्यक्षता में मालेगाम समिति का गठन किया गया था। इसने माइक्रोफाइनेंस संस्थानों के बेहतर नियमन, ब्याज दरों की सीमा और उधारकर्ताओं के लिए उपभोक्ता संरक्षण हेतु उपायों की सिफारिश की थी।

Q 113. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- साइमन कुज़नेट्स द्वारा प्रस्तावित कुज़नेट्स वक्र, आर्थिक विकास और आय असमानता के बीच संबंध को दर्शाता है। इस परिकल्पना के अनुसार, जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था विकसित होती है, असमानता शुरू में बढ़ती है और फिर आय के एक निश्चित स्तर के बाद घटती है, जिससे आरेखित करने पर एक उल्टे U-आकार का वक्र बनता है।

Q 114. उत्तर: (d)

व्याख्या:

- उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की स्थापना 1 अप्रैल, 1937 को हुई थी और इसका मुख्यालय प्रयागराज में है। आयोग के अध्यक्ष का कार्यकाल छह वर्ष का होता है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग विनियम, 1976 आयोग के कार्यों का विनियमन करता है।

Q 115. उत्तर: (a)

व्याख्या:

सही क्रम है:

- सांसदों को आदर्श गांव विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु अक्टूबर 2014 में सांसद आदर्श ग्राम योजना शुरू की गई थी।
- उजाला योजना मई 2015 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य LED लाइटों के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देना था।
- भौतिक सोने में निवेश का विकल्प प्रदान करने के लिए नवंबर 2015 में गोल्ड बॉण्ड योजना शुरू की गई।
- कोविड-19 महामारी से प्रभावित स्ट्रीट वेंडर्स को कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने के लिए जून 2020 में पीएम स्वनिधि योजना शुरू की गई थी।

Q 116. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (CACP) की सिफारिशों के आधार पर, भारत सरकार द्वारा कुछ फसलों के लिए बुवाई के मौसम की शुरुआत में न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) घोषित किया जाता है। MSP भारत सरकार द्वारा उच्च उत्पादन वाले वर्षों में किसानों को कीमतों में अत्यधिक गिरावट से बचाने के लिए निर्धारित किया गया एक मूल्य है।
- CACP किसी विशेष वस्तु या वस्तुओं के समूह की अर्थव्यवस्था की संपूर्ण संरचना का व्यापक दृष्टिकोण लेने के अलावा, निम्नलिखित कारकों को भी ध्यान में रखता है:
 - ✓ उत्पादन लागत
 - ✓ इनपुट कीमतों में परिवर्तन
 - ✓ इनपुट-आउटपुट मूल्य समता
 - ✓ बाजार मूल्यों में रुझान
 - ✓ मांग और आपूर्ति
 - ✓ अंतर-फसल मूल्य समता
 - ✓ औद्योगिक लागत संरचना पर प्रभाव
 - ✓ जीवन-यापन की लागत पर प्रभाव
 - ✓ सामान्य मूल्य स्तर पर प्रभाव
 - ✓ अंतर्राष्ट्रीय मूल्य स्थिति
 - ✓ किसानों द्वारा भुगतान की गई कीमतों और प्राप्त कीमतों के बीच समानता

Q 117. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- | | |
|-------------|-----------|
| ● फुटबॉल | हाथरस |
| ● एथलेटिक्स | बलिया |
| ● कबड्डी | श्रावस्ती |
| ● हॉकी | गोंडा |

Q 118. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (AIIB) एक बहुपक्षीय विकास बैंक है जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अवसंरचना विकास और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी परियोजनाओं को समर्थन देने पर केंद्रित है।
- इसका परिचालन जनवरी 2016 में शुरू हुआ और इसका मुख्यालय बीजिंग, चीन में है।
- 2025 AIIB वार्षिक बैठक 24 से 26 जून तक बीजिंग, चीन में "विकास के लिए संपर्क" विषय के तहत आयोजित हुई।

Q 119. उत्तर: (c)

व्याख्या:

- RBI वाणिज्यिक बैंकों को ऋण देने की दर में बदलाव करके मुद्रा आपूर्ति को प्रभावित कर सकता है। इस दर को भारत में रेपो दर कहा जाता है।

Q 120. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

- कैबिनेट मिशन योजना द्वारा सुझाए गए प्रस्तावों के तहत नवंबर 1946 में संविधान सभा का गठन किया गया था।
- संविधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या 389 होनी थी। इनमें से 296 सीटें ब्रिटिश भारत को और 93 सीटें देशी रियासतों को आवंटित की जानी थीं।

Q 121. उत्तर: (c)**व्याख्या:**

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उदारवादी नेताओं में से एक और गांधीजी के मार्गदर्शक गोपाल कृष्ण गोखले का 1915 में निधन हो गया। इसके तुरंत बाद, 1916 में, कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच लखनऊ समझौते पर हस्ताक्षर हुए, जो हिंदू-मुस्लिम एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। बाद में, 1924 में, सचिंद्र नाथ सान्याल, चंद्रशेखर आज़ाद और अन्य क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध सशस्त्र प्रतिरोध संगठित करने के लिए हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) का गठन किया। अंततः, 1928 में, मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में नेहरू रिपोर्ट का मसौदा तैयार किया गया, जिसमें भारत के लिए एक संवैधानिक ढाँचा प्रस्तावित किया गया था।

Q 122. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

भारत का NAQI ठीक आठ प्रदूषकों को ट्रैक करता है:

- कण पदार्थ (PM_{10} और $PM_{2.5}$)
- नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (NO_2)
- ओजोन (O_3)
- सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2)
- अमोनिया (NH_3)
- कार्बन मोनोऑक्साइड (CO)
- सीसा (Pb)

Q 123. उत्तर: (b)**व्याख्या:**

- 1945-46 के प्रसिद्ध लाल किला मुकदमे में, जो आज़ाद हिंद फ़ौज (INA) के सैनिकों से संबंधित थे, एक ऐतिहासिक बचाव दल का नेतृत्व किया गया जिसमें भूलाभाई देसाई, जवाहरलाल नेहरू, सर तेज बहादुर सप्रू, आसफ़ अली और केएन काटजू शामिल थे। उन्होंने राजद्रोह के आरोपों के खिलाफ तर्क दिए। सी. राजगोपालाचारी एक प्रभावशाली नेता होने के बावजूद, INA सैनिकों के बचाव में शामिल नहीं हुए।

Q 124. उत्तर: (c)**व्याख्या:**

इलाहाबाद की संधि (1765) के प्रावधान -

- शाह आलम द्वितीय कंपनी के संरक्षण में आ गया।
- इलाहाबाद और कड़ा, जो अवध के नवाब द्वारा दिए गए थे, मुगल शासक को सौंप दिए गए।
- बंगाल, बिहार और उड़ीसा के दीवानी अधिकार (कर वसूलने का अधिकार) सम्राट द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी को दे दिए गए।
- इसके लिए कंपनी की ओर से बादशाह को सालाना 26 लाख रुपये देने का फैसला किया गया था।
- अंग्रेजों को नागरिक अधिकार और बंगाल के राजस्व या वित्तीय प्रशासन पर पूर्ण नियंत्रण दिया गया।

Q 125. उत्तर: (b)**व्याख्या:**

- 5 मार्च, 1931 को गांधी और इरविन ने एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे की शर्तों पर सहमत हुए। इस समझौते के अनुसार, इरविन आंदोलन के दौरान जेल गए लोगों को रिहा करने और भारतीयों को घरेलू उपयोग के लिए नमक बनाने की अनुमति देने पर सहमत हुए। गांधी सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापस लेने और लंदन में दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए सहमत हुए।

Q 126. उत्तर: (b)**व्याख्या:**

- 1946 के कैबिनेट मिशन ने एक त्रि-स्तरीय संघ का प्रस्ताव रखा जिसमें एक कमज़ोर केंद्रीय सरकार होगी जिसका नियंत्रण केवल रक्षा, विदेश मामलों और संचार पर होगा, जबकि प्रांतों को अधिकतम स्वायत्तता प्राप्त होगी। यह कथन (A) के साथ मेल खाता है, अर्थात् यह सत्य है।
- इसके अतिरिक्त, मिशन ने मौजूदा प्रांतीय विधानसभाओं को तीन भागों में बाँटने की सिफ़ारिश की—भाग क (हिंदू-बहुल प्रांत), भाग ख और ग (असम सहित उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व के मुस्लिम-बहुल प्रांत)। इसका उद्देश्य संविधान सभा के चुनाव को सुगम बनाना था। चूँकि यह तथ्यात्मक रूप से भी सही है, इसलिए कारण (R) सही है।
- हालाँकि, दोनों कथन सत्य हैं, लेकिन प्रांतों को तीन भागों में बाँटने की सिफ़ारिश, कमज़ोर केंद्र वाले त्रि-स्तरीय संघ के प्रस्ताव का सीधा कारण नहीं थी। संघ की योजना भारत की एकता बनाए रखने और विभाजन को रोकने के लिए बनाई गई थी, न कि केवल संविधान सभा के चुनाव को प्रबंधित करने के लिए।
- इस प्रकार, सही उत्तर है (b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Q 127. उत्तर: (c)**व्याख्या:**

- (I) मुंडा विद्रोह – 1899-1900
- (II) संथाल विद्रोह – 1855-1856
- (III) कोल विद्रोह – 1831
- (IV) अहोम विद्रोह – 1828

Q 128. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

- अमृत बाज़ार पत्रिका एक प्रमुख बंगाली समाचार पत्र था, केसरी बंबई से संबंधित था, आंध्र प्रकाशन मद्रास से प्रकाशित होता था और इंदु प्रकाश उत्तर प्रदेश से प्रकाशित होता था। इन समाचार पत्रों ने 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी के प्रारंभ में राष्ट्रवादी भावनाओं को व्यक्त करने और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Q 129. उत्तर: (c)**व्याख्या:**

- अगस्त प्रस्ताव में प्रस्तावित किया गया था कि भविष्य में कोई भी संविधान अल्पसंख्यकों की सहमति के बिना नहीं अपनाया जाएगा, इसलिए मुस्लिम लीग या कहें कि मुसलमानों को वीटो का अधिकार दिया गया। अगस्त और क्रिप्स मिशन में अंतर यह था कि पहले संविधान बनाने का अधिकार मुख्यतः भारतीयों को था, जबकि बाद के अगस्त में यह पूरी तरह से भारतीयों के पास था। क्रिप्स मिशन के प्रस्ताव में राष्ट्रमंडल से हटने का अधिकार भी शामिल था। अगस्त प्रस्ताव में ही पहली बार डोमिनियन का दर्जा देने की पेशकश की गई थी।

Q 130. उत्तर: (b)**व्याख्या:**

सही मिलान है-

- | | |
|------------|------------------|
| ● लखनऊ | बिरजिस कादिर |
| ● इलाहाबाद | मौलवी लियाकत अली |
| ● कालपी | तात्या टोपे |
| ● गोरखपुर | गजाधर सिंह |

Q 131. उत्तर: (d)**व्याख्या:**

सही सुमेलित सूची इस प्रकार है:

- ऐक्स-ला-चैपल की संधि - यह प्रथम कर्नाटक युद्ध (1740-48) का परिणाम थी।
- पेरिस की संधि (1763) - यह तृतीय कर्नाटक युद्ध (1758-63) का परिणाम थी। यह एक निर्णायक युद्ध था, जिसे वांडीवाश की लड़ाई (1760-61) के नाम से जाना जाता है।
- मद्रास की संधि (4 अप्रैल, 1769) - यह प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध (1767-69) का परिणाम थी। यह हैदर अली और अंग्रेजों के बीच हुई थी।
- मैंगलोर की संधि (मार्च, 1784) - यह द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1780-84) का परिणाम थी। यह टीपू सुल्तान और अंग्रेजों के बीच हुई थी।

Q 132. उत्तर: (d)**व्याख्या:**

- एज ऑफ कंसेन्ट अधिनियम (1891) के तहत 12 वर्ष से कम आयु की लड़कियों के विवाह पर प्रतिबन्ध लगाया गया।
- शारदा अधिनियम (1930) ने लड़के और लड़कियों के लिए विवाह की आयु क्रमशः 18 और 14 वर्ष कर दी।
- बाल विवाह निरोधक (संशोधन) अधिनियम, 1978 के तहत लड़कियों के लिए विवाह की आयु 15 से बढ़ाकर 18 वर्ष तथा लड़कों के लिए 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष कर दी गई।

Q 133. उत्तर: (d)**व्याख्या:**

- चार्ल्स विल्किंस ने पहली बार भगवद् गीता का अंग्रेजी में अनुवाद किया। उन्होंने पश्चिमी दुनिया के लिए भारतीय संस्कृति को खोला।
- वारेन हेस्टिंग्स ने भारतीय कृषि प्रणाली के बारे में व्यवस्थित जानकारी एकत्र करने के लिए 1776 में अमिनी आयोग की नियुक्ति की।
- प्रेस सेंसरशिप अधिनियम 1799, भारत के तत्कालीन गवर्नर-जनरल रिचर्ड वेलेज़ली द्वारा पारित किया गया था। यह अधिनियम फ्रांसीसी लोगों को ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध कोई भी समाचार फैलाने से रोकने के लिए पारित किया गया था।
- जेम्स प्रिंसेप एक अंग्रेज़ विद्वान, प्राच्यविद् और पुरातत्ववेत्ता थे। वे बंगाल एशियाटिक सोसाइटी के जर्नल के संस्थापक संपादक थे और उन्हें प्राचीन भारत की खरोष्ठी तथा ब्राह्मी लिपियों को समझने के लिए जाना जाता है।

Q 134. उत्तर: (d)**व्याख्या:**

- बंगाल प्रेसीडेंसी के उत्तर पश्चिमी प्रांतों (इसका अधिकांश भाग अब उत्तर प्रदेश में है) में होल्त मैकेंज़ी ने महालवाड़ी बंदोबस्त नामक एक नई व्यवस्था शुरू की। यह नई व्यवस्था 1822 में लागू हुई।
- रैयतवाड़ी व्यवस्था भारत में 1820 में थॉमस मुनरो और चार्ल्स रीड द्वारा शुरू की गई थी। इसे सबसे पहले मद्रास प्रेसीडेंसी में लागू किया गया था।
- स्थायी बंदोबस्त प्रणाली लागू करते समय, लॉर्ड कार्नवालिस का विचार था कि राज्य द्वारा भू-राजस्व निश्चित करने से भूस्वामियों या ज़मींदारों को बेहतर लाभ प्राप्त होगा और वे अधिशेष धन का निवेश भूमि की उर्वरता बढ़ाने में करेंगे। बाढ़, सूखे या अन्य आपदाओं के कारण किसी भी प्रकार की कमी होने पर, जिसके परिणामस्वरूप ज़मींदारी बेच दी जाती थी और भूमि का विखंडन होता था, ज़मींदारों द्वारा भुगतान की जाने वाली राशि निश्चित थी।
- भू-राजस्व प्रणाली एक ऐसी नीति थी जिसने लोगों से भारी कर वसूलकर, अंग्रेजों को विविधतापूर्ण देश भारत पर विजय प्राप्त करने में मदद की। भू-राजस्व, भूमि-आधारित कृषि उत्पादन पर लगाया जाने वाला कर है।

Q 135. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

- अवध किसान सभा का गठन वर्ष 1920 में जवाहरलाल नेहरू और रामचंद्र जैसे नेताओं द्वारा अवध क्षेत्र में किसानों की अत्यधिक लगान, अवैध करों और जमींदारों द्वारा लगाए गए जबरन श्रम के खिलाफ शिकायतों को दूर करने के लिए किया गया था।
- रामचंद्र (जिन्हें बाबा रामचंद्र के नाम से भी जाना जाता है) उन प्रमुख नेताओं में से एक थे जिन्होंने जमींदारों और ब्रिटिश प्रशासन की शोषणकारी प्रथाओं के खिलाफ किसानों को संगठित किया।

Q 136. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

- गांधीजी के नेतृत्व में 20 जून, 1920 को इलाहाबाद (प्रयागराज) में खिलाफत समिति की एक बैठक हुई, जिसमें खिलाफत आंदोलन का प्रस्ताव पारित किया गया। 31 अगस्त, 1920 को खिलाफत दिवस मनाया गया। 1924 में तुर्की की कमाल पाशा सरकार ने खिलाफत को समाप्त कर दिया, जिससे खिलाफत आंदोलन प्रभावी रूप से समाप्त हो गया।

Q 137. उत्तर: (d)**व्याख्या:**

- नूह-सिपिहार अमीर खुसरो
- फुतुहु-उस-सलातीन इसामी
- रेहला इब्र बतूता
- फतवा-ए-जहाँदारी बरनी

Q 138. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

- ताम्रपाषाण युग के लोग मिट्टी की ईंटों और सरकंडों से बने साधारण फूस के घरों में रहते थे, जो उनकी सादगीपूर्ण जीवनशैली और तकनीकी स्तर को दर्शाता है। उस समय, वे पक्की ईंटों के उपयोग से परिचित नहीं थे, जो बाद में हड़प्पा सभ्यता के दौरान दिखाई दीं। इसलिए, यह कथन कि वे मिट्टी की ईंटों और फूस के घरों में रहते थे, सत्य है, और यह कारण कि वे पक्की ईंटों से अपरिचित थे, इस तथ्य को सही ढंग से स्पष्ट करता है। अतः, सही उत्तर A है।

Q 139. उत्तर: (c)**व्याख्या:**

- अभिकथन (A) सत्य है: औरंगजेब की संगीत के प्रति व्यक्तिगत अस्वीकृति के बावजूद, उसके शासनकाल में भारतीय शास्त्रीय संगीत पर फारसी ग्रंथों का विकास हुआ, संभवतः इसका कारण था:
- कुलीनों और क्षेत्रीय दरबारों द्वारा विद्वानों और संगीतकारों को मुगल संरक्षण जारी रखना।
 - उस युग की सांस्कृतिक समन्वयता, जहां फारसी भाषी अभिजात वर्ग ने भारतीय संगीत परंपराओं का दस्तावेजीकरण किया।

मिर्जा रौशन ज़मीर की रिसाला-ए-मुसिकी और फ़िरोज़ जंग की मिरात-उल-इस्तिला जैसी कृतियाँ इस अवधि के दौरान रची गईं। कारण (R) गलत है: इस्लामी रूढ़िवाद की सख्त व्याख्या के कारण औरंगजेब संगीत के प्रति शत्रुतापूर्ण था। उसने अपने दरबार में संगीत पर प्रतिबंध लगा दिया (अपने पूर्ववर्ती अकबर और शाहजहाँ के विपरीत, जो इसके महान संरक्षक थे)। कई संगीतकार क्षेत्रीय दरबारों (जैसे, राजपूत राज्य, दक्कन सल्तनत) में चले गए, जहाँ संगीत का विकास जारी रहा। हालाँकि, उसकी अस्वीकृति ने महान संरक्षण के तहत विद्वानों द्वारा फ़ारसी में संगीत के दस्तावेजीकरण को नहीं रोका।

Q 140. उत्तर: (c)**व्याख्या:**

सूची I	सूची II	विवरण
1. दीवानी अरिज़	सैन्य विभाग	इसका नेतृत्व अरिज़ -ए-मुमालिक करता था। वह सैनिकों की भर्ती और सैन्य विभाग के प्रशासन के लिए जिम्मेदार था।
2. दीवानी रसालत	धार्मिक मामलों का विभाग	इसका प्रमुख, मुख्य सदर होता था। इस विभाग द्वारा मस्जिदों, मकबरों और मदरसों के निर्माण तथा रखरखाव के लिए अनुदान दिया जाता था।
3. दीवानी विज़ारत	वित्त विभाग	नायब का पद सबसे शक्तिशाली होता था। नायब को सुल्तान की लगभग सभी शक्तियाँ प्राप्त होती थीं और वह सभी विभागों पर सामान्य नियंत्रण रखता था। उसके बाद वज़ीर होता था जो वित्त विभाग का प्रमुख होता था जिसे दीवानी वज़ीरत कहा जाता था।
4. दीवान- ए - कोही	कृषि विभाग	इस विभाग की स्थापना मुहम्मद बिन तुगलक ने की थी।

Q 141. उत्तर: (d)**व्याख्या:**

- बुर्जहोम : वर्तमान में यह कश्मीर में है।
- दाओजाली हर्दिंग: यह असम के दीमा हासो जिले में स्थित है।
- चंद्रकेतुगढ़ : यह पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बेराचापा में स्थित है। इस स्थल का नाम पौराणिक राजा चंद्रकेतु के नाम पर रखा गया है।
- आदिचनल्लूर : यह तमिलनाडु में स्थित है।

Q 142. उत्तर: (a)**व्याख्या:**

- वज्जि: यद्यपि मगध एक शक्तिशाली राज्य बन गया था, वज्जि, जिसकी राजधानी वैशाली (बिहार) थी, एक अलग प्रकार की सरकार के अधीन था, जिसे गण या संघ के रूप में जाना जाता था।
- वत्स: यह राज्य यमुना नदी के तट पर स्थित था। इसकी राजधानी आधुनिक इलाहाबाद के निकट कौशांबी थी। इसका सबसे लोकप्रिय शासक उदयन था।
- अवन्ती: अवन्ती की राजधानी उज्जैन थी। इस राज्य का सबसे प्रमुख शासक प्रद्योत था। वह उदयन की पुत्री वासवदत्ता से विवाह करके शक्तिशाली बना।
- कोसल: अयोध्या कोसल की राजधानी थी। राजा प्रसेनजित इसके प्रसिद्ध शासक थे। वे उच्च शिक्षा प्राप्त थे। मगध के साथ वैवाहिक संबंध से उनकी स्थिति और भी मज़बूत हो गई थी। उनकी बहन का विवाह बिम्बिसार से हुआ था और काशी उन्हें दहेज में दी गई थी।

Q 143. उत्तर: (d)**व्याख्या:**

- प्रसिद्ध तमिल महाकाव्य, शिल्पदिकारम, लगभग 1800 वर्ष पूर्व इलांगो नामक कवि द्वारा रचित था। यह कोवलन नामक एक व्यापारी की कहानी है, जो पुहार में रहता था और अपनी पत्नी कन्नगी की उपेक्षा करते हुए माधवी नामक एक वेश्या के प्रेम में पड़ गया।
- एक और तमिल महाकाव्य, मणिमेकलै, लगभग 1400 साल पहले सीथलाई सत्तनार द्वारा रचित था। इसमें कोवलन और माधवी की पुत्री की कहानी का वर्णन है।
- नैषधचरित में नल और दमयंती की कथा है। नल निषादों के राजा थे जबकि दमयंती विदर्भ के राजा भीम की पुत्री थीं।
- त्रिषष्ठिलक्षण महापुराण एक प्रमुख जैन ग्रंथ है जिसकी रचना बड़े पैमाने पर राष्ट्रकूट शासक अमोघवर्ष के शासनकाल के दौरान आचार्य जिनसेन ने की थी।

Q 144. उत्तर: (c)**व्याख्या:**

- पांडवलेनी: ये गुफाएँ नासिक शहर के बाहरी इलाके में नासिक-मुंबई रोड पर एक पहाड़ी पर स्थित हैं। अधिकांश गुफाओं में बुद्ध और प्रसिद्ध जैन तीर्थंकरों की भव्य मूर्तियाँ हैं। गुफाओं में पानी की उत्तम व्यवस्था है, जहाँ चट्टानों पर कुशलता से तराशी गई पानी की टंकियाँ हैं।
- मुचकुंद गुफा: यह ललितपुर में स्थित है। ऐसा माना जाता है कि घाटी में स्थित इन प्राकृतिक गुफाओं में संत मुचकुंद ने निवास किया था और यहीं तपस्या की थी। ऐसा भी कहा जाता है कि महाभारत काल में भगवान कृष्ण भी इन गुफाओं में आए थे।
- बाघ गुफा: बौद्ध भित्ति चित्रों से युक्त बाघ गुफाएँ मध्य प्रदेश के धार जिले से 97 किलोमीटर दूर स्थित हैं। ये चट्टान-कटाई गुफा रूपी स्मारक प्राकृतिक नहीं हैं, बल्कि सातवाहन काल के दौरान समय के साथ तराशे गए थे।

- पभोषा: - उत्तर प्रदेश में यमुना नदी के तट पर स्थित इस नगर का इतिहास भगवान पद्मप्रभा के समय से शुरू होता है। दिगंबरों का मानना है कि पभोसा भगवान पद्मप्रभा की दीक्षा और सर्वज्ञता प्राप्ति का स्थान है। ऐसा कहा जाता है कि यहाँ ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी में निर्मित एक कृत्रिम गुफा के अवशेष हैं।

Q 145. उत्तर: (b)**व्याख्या:**

- नालंदा भारत के बिहार में उच्च शिक्षा का एक प्राचीन केंद्र है जो 427 से 1197 तक अस्तित्व में रहा। नालंदा की स्थापना 5वीं शताब्दी ईस्वी में भारत के बिहार में हुई थी।
- कुमारगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय के पुत्र और उत्तराधिकारी थे, उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय की नींव रखी।
- बारहवीं शताब्दी की शुरुआत में, मुस्लिम आक्रमणकारी बख्तियार खिलजी ने विश्वविद्यालय को लूट लिया। 1860 के दशक में महान पुरातत्वविद् अलेक्जेंडर कनिंघम ने इस स्थल की पहचान नालंदा विश्वविद्यालय के रूप में की और 1915-1916 में इसे नालंदा विश्वविद्यालय घोषित किया।
- चीनी विद्वान इ-किंग और झुआन ज़ांग ने 7वीं शताब्दी ई. में नालंदा का दौरा किया था।
- झुआन ज़ांग स्वयं योगशास्त्र का अध्ययन करने के लिए नालंदा के छात्र बने थे। उन्होंने उल्लेख किया है कि नालंदा के कुलपति, शीलभद्र, योग के सर्वोच्च जीवित अधिकारी थे।

Q 146. उत्तर: (b)**व्याख्या:**

- विशाखदत्त द्वारा लिखित देवीचंद्रगुप्तम और मुद्रराक्षसम जैसी समकालीन साहित्यिक कृतियाँ गुप्तों के उदय के बारे में जानकारी प्रदान करती हैं।
- कथासरित्सागर शैव सोमदेव की कृति है। स्वप्नवासदत्तम् भास की कृति है।

Q 147. उत्तर: (d)**व्याख्या:**

- खिलजी ने तुर्कों को उच्च पदों से वंचित नहीं किया, लेकिन उनके सत्ता में आने से उच्च पदों पर तुर्कों का एकाधिकार समाप्त हो गया।
- अलाउद्दीन का मानना था कि कुलीनों की सामान्य समृद्धि, कुलीन परिवारों के बीच अंतर्विवाह, अकुशल गुप्तचर व्यवस्था और शराब पीना विद्रोहों के मूल कारण थे। इसलिए, शराब और नशीले पदार्थों के सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया गया।
- जलालुद्दीन खिलजी उदार थे और दिल्ली सल्तनत के पहले सुल्तान भी थे जिन्होंने हिंदुओं के प्रति दयालु रवैया अपनाया। उन्होंने स्पष्ट रूप से यह विचार प्रस्तुत किया कि राज्य शासितों के स्वैच्छिक समर्थन पर आधारित होना चाहिए और चूँकि भारत में अधिकांश लोग हिंदू थे, इसलिए भारत में राज्य वास्तव में इस्लामी राज्य नहीं हो सकता।

Q 148. उत्तर: (a)

व्याख्या:

- खानवा का युद्ध (1527): खानवा का युद्ध बाबर के नेतृत्व वाली मुगल सेना और मेवाड़ के राणा सांगा के नेतृत्व वाली राजपूत सेना के बीच एक निर्णायक युद्ध था। यह युद्ध 16 मार्च, 1527 को लड़ा गया था।
- घाघरा का युद्ध (1529): यह युद्ध बाबर द्वारा अफ़गानों के विरुद्ध लड़ा गया अंतिम युद्ध था। महमूद लोदी और इब्राहिम लोदी के दामाद सुल्तान नुसरत शाह ने बाबर के विरुद्ध षड्यंत्र रचा। खतरे को भांपकर, बाबर ने उनके विरुद्ध चढ़ाई कर दी। गंगा की सहायक नदी घाघरा के तट पर हुए इस युद्ध में बाबर ने अफ़गानों को पराजित किया। लेकिन 1530 में आगरा से लाहौर जाते समय रास्ते में उसकी मृत्यु हो गई।
- तालीकोटा का युद्ध (1565): तालीकोटा का युद्ध 23 जनवरी, 1565 को विजयनगर साम्राज्य और दक्कन सल्तनतों के एक गठबंधन के बीच लड़ा गया था। विजयनगर साम्राज्य के राजा आलिया राम राय तालीकोटा के युद्ध में पराजित हुए और मारे गए, जिसके परिणामस्वरूप अंततः विजयनगर साम्राज्य का राजनीतिक पतन हो गया।
- हल्दीघाटी का युद्ध (1576): यह युद्ध 18 जून, 1576 को मेवाड़ के राणा महाराणा प्रताप और आमेर के मान सिंह प्रथम के नेतृत्व में मुगल सम्राट अकबर की सेनाओं के बीच लड़ा गया था।

Q 149. उत्तर: (b)

व्याख्या:

- बुर्जहोम - बुर्जहोम कश्मीर घाटी में श्रीनगर से छह मील उत्तर-पूर्व में स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है। बुर्जहोम में नवपाषाण सभ्यता की खोज हुई है, जिसका इतिहास 1850-130 ईसा पूर्व का है।
- मोरहाना, बाघीखोर, लेखिया क्षेत्र में किए गए उत्खनन कार्य से

महत्वपूर्ण सामग्री प्राप्त हुई है। लेखिया से 17 नर कंकाल बरामद किए गए हैं।

- प्रयागराज के चौपानी मण्डो में मध्यपाषाण काल के साक्ष्य मिले हैं।
- प्रतापगढ़ जिले के सरायनाहर, महदहा और दमदमा से मध्यपाषाणकालीन पुरातात्विक वस्तुएँ मिली हैं। सरायनाहार से छोटे पत्थर के औजार, शव-शिला और गड्डे के चूल्हे के साक्ष्य मिले हैं। ये शव-शिलाएँ उस समय के मृतकों के अंतिम संस्कारों पर प्रकाश डालती हैं। शवों का सिर पश्चिम दिशा में और पैर पूर्व दिशा में रखे जाते हैं।

Q 150. उत्तर: (d)

व्याख्या:

- एकीकृत पेंशन योजना (UPS) का सटीक वर्णन चारों कथनों में किया गया है। सबसे पहले, यह योजना टी. वी. सोमनाथन समिति की सिफारिशों पर आधारित है, जिसका गठन अप्रैल 2023 में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) की समीक्षा और सुधारों का प्रस्ताव करने के लिए किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक परामर्श के बाद UPS ढाँचा तैयार किया गया। दूसरा, पेंशन निधि नियामक एवं विकास प्राधिकरण (PFRDA) को इस योजना को क्रियान्वित करने के लिए नियम जारी करने का कार्य सौंपा गया है, जैसा कि आधिकारिक सरकारी अधिसूचनाओं में उल्लिखित है। तीसरा, UPS 25 साल की सेवा वाले केंद्रीय कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीनों में उनके औसत मूल वेतन के 50% के बराबर पेंशन सुनिश्चित करता है और 10-25 साल की सेवा वाले कर्मचारियों के लिए आनुपातिक पेंशन प्रदान करता है, जो इसकी गारंटीकृत पेंशन संरचना के अनुरूप है। अंत में, यह योजना 1 अप्रैल, 2025 से केंद्रीय कर्मचारियों के लिए लागू होगी, जिसमें राज्य सरकारों के लिए भी विकल्प उपलब्ध हैं। इसलिए, सभी कथन (I, II, III और IV) सही हैं, अर्थात् सही उत्तर: (d) है।